Finish 196.5 x 260 mm

# समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• नवम्बर २०१७ • वर्ष ६८ • अंक ११

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

१७ नवम्बर २०१७ को राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक में पदाधिकारी-सदस्यगण।

समर्पित स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजसेवी स्व. जमनालाल जी बजाज
(०४ नवम्बर १८८९-११ फरवरी १९४२) की जयन्ती पर विनम्र पुष्पांजली!

- उत्कल प्रान्तीय अधिवेशन - (झारसुगुड़ा) - १६ दिसम्बर २०१७
- बिहार प्रान्तीय अधिवेशन - (बेगुसराय) - ६-७ जनवरी २०१८
- पूर्वोत्तर प्रान्तीय अधिवेशन - (गुवाहाटी) १३-१४ जनवरी २०१८

## इस अंक में :

- अध्यक्षीय - वैवाहिक समारोहों में मद्यपान का निषेध हो।
- सम्पादकीय - मारवाड़ी परम्परा के विरुद्ध है मद्यपान।
- केन्द्रीय/प्रांतीय समाचार
- आलेख - वैचारिक शक्ति एवं समाज सुधार।
- विशेष - जमनालाल बजाज जयन्ती।
- विविध - कविता
- नये सदस्यों का स्वागत

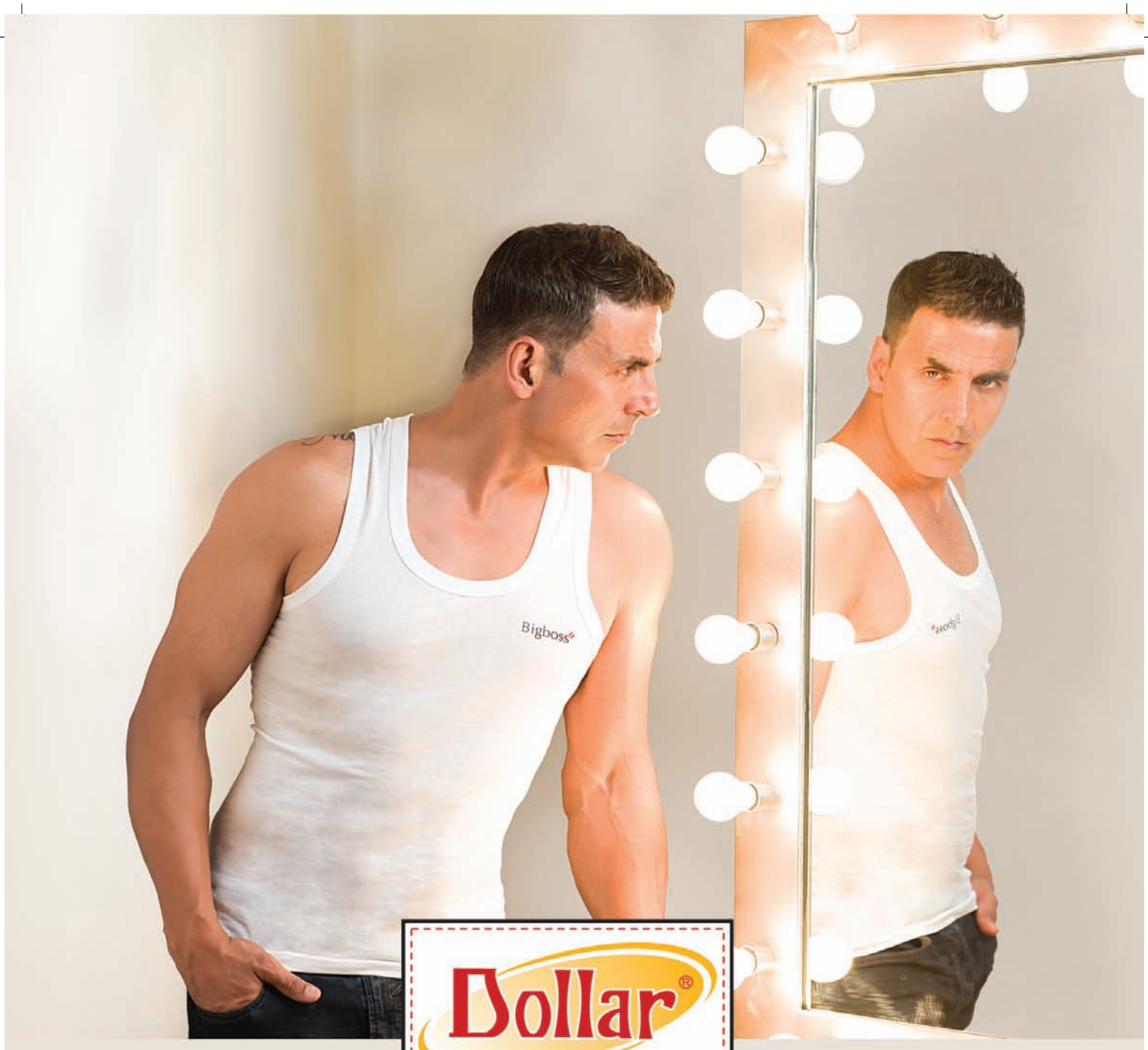


Dollar®

# Bigboss

PREMIUM INNERWEAR

## Fit Hai Boss

www.dollarglobal.in | Buy Online: www.dollarshoppe.in | Also available at all leading shopping portals

Dollar products are available in over 800 cities/towns and 100,000 MBOs across India | Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE

# समाज विकास

◆ नवम्बर २०१७ ◆ वर्ष ७० ◆ अंक ११
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००


## अनुक्रमणिका


| शीर्षक | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| ● **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ**<br>मारवाड़ी परम्परा के विरुद्ध है मद्यपान | ३ |
| ● **चिट्ठी आई है** | ४ |
| ● **रपट** - वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान/आडम्बर | ५ |
| ● **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला**<br>वैवाहिक समारोहों में मद्यपान निषेध हो | ७ |
| ● प्रान्तीय समाचार | ११ |
| ● **आलेख : शिव कुमार लोहिया**<br>वैचारिक शक्ति एवं समाज सुधार | १३ |
| ● जयन्ती पर विशेष : **जमनालाल बजाज** | १६ |
| ● जीत्यो जी टोडरमल वीर : **रामेश्वर टांटिया** | १७ |
| ● विविध – कविता | १९ |
| ● नए सदस्यों का स्वागत | २७ |



**स्वत्वाधिकारी**

**अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन**

**प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय** : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
**फोन** : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

**संपादक : संतोष सराफ ◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा**
**सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया**



प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।


**सम्पादकीय**

## मारवाड़ी परम्परा के विरुद्ध है मद्यपान

**– सन्तोष सराफ**

मारवाड़ी समाज अपनी परम्पराओं पर आधुनिकता का जाने अनजाने में नये नये प्रयोग कर रहा हैं। हमारे रीति-रिवाज देश-काल-परिस्थिति के अनुसार निर्धारित किये गये थे। कुछ ऐसे भी परम्पराएँ है, जिसके पीछे ठोस कारण या हितकारी सोच नीहित है। यह बात समझने की है कि हमारे पूर्वज आज भी अपेक्षा अपना जीवन-यापन अत्यधिक कठिन परिस्थितियों में किया करते थे। फिर भी उनकी जीजिविषा, लगन, विवेक के आगे नतमस्तक हुए बिना नही रहा जा सकता। हमें उनके जीने की कला के बारे में सोचने की आवश्यकता है। आपसी प्रेम, सौहार्द्र, परस्पर सहयोग किसी भी परिस्थितियों में अविचलित रहना, व्यापार मे इमानदारी रखना, परिवार को महत्व देना कुछ ऐसे विशेष गुण थे जिनके कारण मारवाड़ी समाज की एक विशिष्ट पहचान बनी। एक खास बात थी कि हमारा समाज धर्म भीरू था। हम देवी-देवता एवं अपने पितरों का सम्मान करते थे।

आधुनिकता के वर्तमान दौर मे अपरोक्त मापदंड मे हम स्वयं को एक चौराहे पर खड़ा पाते हैं, जहाँ से हमारे रीति-रिवाज मात्र एक ढकोसले के रूप मे रह गये हैं। समाज में व्यक्ति का महत्व उसके चरित्र से नही होकर, इस बात से है कि वह कितने का आसामी है। कहा जाता है कि वुद्धि से तकदीर श्रेयस्कर है। वीरबल कितना ही बुद्धिमान रहा हो, वह राजा नही बन सका। बहुत सी बाते हम जानते हैं कि हमारे लिये अहितकर है, पर हम स्वयं को सयंमित नही कर सकते। जब तक धन है, तब तक सब ठीक है। हालत यहाँ तक पहुँच गई है कि विवाह के अवसर पर हम अपने देवी-देवताओं एवं पितरों का आह्वान करते हैं। इस प्रक्रिया को एक मशीन की तरह निभाया जाता है। हम भावना शून्य होते जा रहे हैं। ऐसे अवसरों पर आयोजित समारोहों में मद्यपान के लिए बड़े सुसज्जित काउंटर खोले जाते है एवं बड़े शान से महंगे में महंगे विदेशी शराब की व्यवस्था की जाती है। कहा जाता है व्यापार के लिये यह सब अत्यावस्यक है। यह सब मन वहलाने की बाते हैं। इन बातों का एक ही अंजाम होता है - वह है नैतिक पतन। देर-सबेर, इसके परिणाम से हम बच नही सकते। मैं सभी समाजबंधुओं से निवेदन करूँगा कि कम से कम वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध रखें। यह एक अच्छी शुरुआत होगी।

## चिट्ठी आई है

I had the privilege to join the ceremony of felicitation of Mrs. Rajshreeji Birla at G. D. Birla Sabhagar. The ceremony was in itself a step ahead in Sammelan's contributions and acceptance of Marwari community.

Many suggestions were made by distinguished persons. I was very much appealed and carried away by a suggestion of Sri Sitaramji Sharma. His suggestion to avoid big expenditure on wedding invitation card was applauded. I would put further wheels to his suggestion.

Our association should come up with simple yellow cards at a subsidised rate and the community be well informed and requested to use them as a solidarity with the community. This will bring forward a good numbers to use it who are simply victim of the blind race of wasteful expenses. In addition to that, an arrangement for printing can also be arranged at actual cost basis, on demand.

I am very confident that the Community will be immensely benefitted by this act. This may become a first step but a leap forward in direct help and uniformity in community and society.

A few contributories can be called for at the initial stage to make up the subsidised cost.

**- Sharat Jhunjhunwala**
Kolkata

### बड़बोल्यौ

बीजळी रौ बटण अकड़'र
लट्टू नै कह्यौ क—
म्हारै चालबा सूं ही
थारै उजास भरै है
इतराक में झपाकेक
बीजळी फरी गी अंरे
खटका री जीभ
लटक्योड़ी ही रैगी।

**सम्मेलन की पुरस्कार चयन उपसमिति की बैठक**

## नीरज दइया एवं अब्दुल समद राही स्थापना दिवस पर राजस्थानी भाषा सम्मानों से नवाजे जायेंगे

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की पुरस्कार चयन उपसमिति की बैठक गत १४ नवम्बर २०१७ को कोलकाता स्थित सम्मेलन कार्यालय सभागार में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** के सभापतित्व में आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम श्री अगरवाला ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया और उसके बाद, कार्यसूची के अनुसार, आगामी स्थापना दिवस समारोह (२५ दिसम्बर २०१७) में सम्मेलन द्वारा दिए जाने वाले सम्मानों हेतु प्राप्त अनुशंसाओं और आवेदनों पर विचार-विमर्श हुआ।

विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, राजस्थानी भाषा-साहित्य की श्रीवृद्धि हेतु स्थापित **'सीताराम रुँगटा राजस्थानी भाषा-साहित्य सम्मान'** बीकानेर (राजस्थान) निवासी **डॉ. नीरज दइया** को एवं राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य की श्रीवृद्धि हेतु स्थापित **'केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बाल-साहित्य सम्मान'** सोजतशहर (राजस्थान) के **श्री अब्दुल समद राही** को देने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया।

**मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान-२०१७** के विषय में भी विचार-विमर्श हुआ और यह निर्णय लिया गया कि उपसमिति इस सम्मान हेतु भविष्य में विचार करेगी और उपयुक्त निर्णय लेगी।

बैठक में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण **श्री सीताराम शर्मा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री रामअवतार पोद्दार**, उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ**, महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया**, संयुक्त महामंत्री **श्री दिनेश जैन**, संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका**, कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी**, पूर्व महामंत्री **श्री रतन शाह, सर्वश्री आत्माराम सोन्थलिया, नरेन्द्र तुलस्यान** एवं **ऋषि बागड़ी** उपस्थित थे।

वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान/आडम्बर

## रवि पोद्दार ने प्रस्तुत किया अनुकरणीय उदाहरण

सुप्रसिद्ध उद्योगपति-समाजसेवी एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के विशिष्ट संरक्षक सदस्य श्री रवि पोद्दार ने अपनी सुपुत्री सुश्री पूजा के पाणिग्रहण संस्कार के आयोजन में वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध और आडम्बर पर नियंत्रण का सराहनीय कदम उठाया है।

समारोह में निमंत्रित सम्मेलन के पदाधिकारियों/सदस्यों से ज्ञात हुआ है कि श्री पोद्दार ने परम्परागत 'कुमकुम पत्रिका' भिजवाकर निमंत्रण-पत्र पर होनेवाले अनावश्यक व्यय पर अंकुश लगाया है। उन्होंने २७-२८ नवम्बर २०१७ को आयोजित विवाह समारोह एवं रिसेप्शन् में मद्यपान के पूर्णतः निषेध का भी निर्णय लिया है।

ज्ञातव्य है कि सम्मेलन की सर्वोच्च नीतिनिर्धारक अखिल भारतीय समिति की गत १८ जून २०१७ को राँची में आयोजित बैठक में वैवाहिक समारोहों में मद्यपान निषेध का निर्णय लिया गया था और सम्मेलन विभिन्न माध्यमों से इन आयोजनों में आडम्बर का विरोध एक लम्बे समय से करता आ रहा है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार श्री रवि पोद्दार के इस अनुकरणीय कदम हेतु उन्हें साधुवाद देते हुए सौभाग्यवती पूजा एवं चिरंजीवी सौरभ के सुदीर्घ, सफल, कुसुमित-पल्लवित दाम्पत्य जीवन की मंगलकामना करता है!

हमें बदलते हुए समय के साथ चलना होगा। आज के युग में पर्दा और दहेज जैसी कुप्रथाएँ सहन नहीं की जा सकतीं। युवकों पर तो इस मानसिक और व्यवस्थात्मक क्रान्ति को लाने का मुख्य भार होगा ही। उन्हीं को तो आज की विरासत संभालनी है और उस विरासत में उनको मिलेगी आज की सम्पति और आज की समस्याएँ। यदि वे केवल आज की सम्पति की ही ओर टकटकी लगाए रहें, तो वे न तो उसे बचा पाएंगे और न अपने को। उन्हें समस्याओं को भी अच्छी तरह से देखना तथा समझना है और उनको सुलझाने के लिए कटिबद्ध हो जाना है।

**भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. सेठ गोविन्द दास मालपानी**

## वैवाहिक संस्कारों में मदिरा का प्रवेश निषेध हो

**– डाः जे.के. सराफ**

सुन्दर स्वभाव वाली स्त्री पति को सहयोग देकर तीन ऋणों से मुक्त कराती है। स्त्री की सुशीलता और सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यदि विवाहकालिक शुभ मुहूर्त आवश्यक है तो वैवाहिक संस्कार समारोह के आयोजन में सुंदर आचरण और सात्विकता विशेषकर खान-पान और प्रीतिभोज के अनुष्ठानों में धार्मिक दृष्टिकोण भी उतना ही जरूरी है। १६ हिन्दू संस्कारों में विवाह भी एक है। वर्तमान समय में टूटते वैवाहिक रिश्ते, संबन्ध बनाने वाले परिवारों में बढ़ते मनमुटाव का एक कारण यह भी है कि शादियाँ तो शुभ मुहूर्त में सम्पन्न हो जाती हैं लेकिन वैवाहिक समारोह में तामसिक आचरण और खानपान के साथ मद्यपान का प्रचलन भी चल पड़ा है और इसका कुप्रभाव भी जल्द मिलने लगता है। जान-बूझकर रीतियों का उल्लंघन करना मानो अपनी पुत्र-पुत्री को काँटों की शैय्या पर सुलाना है। परिवार के लोगों को यह सोचना भी जरूरी है कि समाज में जो बुराइयाँ इस दशक में घुस गई हैं, उनका उत्तरदायित्व भी अपने ऊपर लेकर इससे छुटकारा पाने की दिशा में खड़े होना है। वैवाहिक जीवन दीर्घायु एवं सुखी और समृद्ध रखने के लिए पूरे वैवाहिक संस्कारों के समापन होने एवं समस्त देवों की बिदाई होने तक शुद्धता से परिवार को रहने से ही देवों का आशीर्वाद मिलने की सम्भावना रहती है। इस समय में मदिरापान एवं धर्म में निषिद्ध कार्य न करें तो निश्चय ही आप देखेंगे कि बच्चों का जीवन सुखमय रहेगा। कुछ धनी लोगों ने आधुनिकता को ही सब कुछ मान लिया है, कुछ अतिसम्पन्न लोगों के शादी समारोहों में शराब और बीयर पार्टियों के लिए अलग से स्टाल सजते हैं, जहाँ वैदिक मन्त्रोचार के बीच और मांगलिक अवसर पर लोग मदहोश रहते हैं। यह सब देखने में भी विजातीय लगता है। आधुनिक खान-पान में विदेशी दखल काफी हो गया है, लिहाजा मेनू में मदिरा का शामिल होना स्वाभाविक हो गया है। विवाह जैसे पवित्र अवसर पर यह पूरी तरह से अनैतिक और समाज के लिए विजातीय है। इन कुरीतियों के खिलाफ न सिर्फ जागरूक होना जरूरी है बल्कि विवाह में मदिरा के प्रवेश पर 'जीरो टालरेन्स' की नीति के लिए संगठित भी होना है।

# FREE SCHOLARSHIP

## MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

Invites application from the meritorious and needy students of the society for scholarships to pursue Post Graduate Higher Education in the fields of Engineering. Technical, Civil Services, Medicine, Management etc.

**Eligibility :** (A) Meritorious student with excellent academic record between the age of 17-25 years and having secured admission in a recognized educational institution purely on the basis of merit. (B) Annual income of the parents of the candidate should preferably be less than Rs. Three Lakh.

**Procedure** : (A) Application with details of past academic records, proof of admission, parent's income/along with passport size photograph may be submitted duly recommended by any branch of Marwari Sammelan/Associated Organisations. (B) The Scholarship payable per student per year will be a maximum of Rs. Two Lakh only. (C) One or two scholarships per academic year is reserved for girl students.

**Please apply to** : Chairman, Higher Education Committee, All India Marwari Sammelan
4B, Duckback House (4th Floor)
41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017
Phone & Fax : (033) 40044089, e-mail: aimf1935@gmail.com

# २००६ में पारित वैवाहिक आचार संहिताः व्यवहार में परिणत कराये सम्मेलन

वैवाहिक समारोहों में फिजूलखर्ची, धन का भौड़ा प्रदर्शन, बेतरतीब नाच-गान और मद्यपान पिछले कई दशकों से एक ज्वलंत समस्या रहे हैं। सम्मेलन के विभिन्न मंचों पर इस विषय पर चर्चाएँ हुई हैं, चिन्तन शिविर आयोजित किए गए हैं, गोष्ठियाँ हुई हैं। आज भी गाहे-बेगाहे यह प्रश्न उठता रहता है।

इस संदर्भ में सन् २००६ में आयोजित एक चिन्तन शिविर उल्लेखनीय है। सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा की परिकल्पना से ४-५ नवम्बर २००६ को साल्टलेक, कोलकाता स्थित जयनारायण गुप्ता स्मृति भवन में आयोजित इस चिंतन शिविर में सम्मेलन के केन्द्रीय-प्रांतीय पदाधिकारी, महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं अन्य पदाधिकारी, युवा मंच के पदाधिकारियों सहित स्थानीय विद्वानों एवं समाजचिंतकों ने शिरकत की। दो दिनो तक गहन विचार-मंथन के बाद एक वैवाहिक आचार-संहिता तय की गयी जो निम्नवत है:

- मिलनी सबकी ४ रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया।
- पानी से पापड़ तक अधिकतम २५ व्यंजन का नियम लागू हो।
- विवाह में दोनों पक्ष को मिलाकर यथासंभव सीमित उपस्थिति हो।
- कम खर्च वाले साधारण निमंत्रण पत्र छपने चाहिए।
- सज्जन गोठ बन्द हो।
- नेग का कार्यक्रम एक ही होना चाहिए।
- सगाई/विवाह की मिठाई का खर्च बर पक्ष ही वहन करें।
- बैण्ड, सड़क पर नाच, वैवाहिक समारोहों में शराब का उपयोग वर्जित हो।
- रात्रि के विवाह की बनिस्पत दिन के विवाह को प्राथमिकता दी जाए।

इस आचार-संहिता को सम्मेलन ने यथाशक्ति प्रचारित-प्रसारित किया। प्रांतीय शाखाओं ने भी अपने-अपने स्तर से कदम उठाए। एक विचार-मंच के रूप में सम्मेलन ने अपनी भूमिका निभायी, समाधान तलाशा किन्तु इसको व्यवहार में परिणत करने के लिए पूरे समाज के हर परिवार की भागेदारी जरूरी है।

आज की परिस्थितियों का अगर आप आकलन करें, तो पायेंगे कि कुल मिलाकर स्थिति शुभ नहीं है। आज फिर हमें इस विषय पर विचार करने, समाधान का मार्ग तय करने और सबसे जरूरी सभी को उस मार्ग पर कैसे लाया जा सके, यह सोचना है।

उपर्युक्त के आलोक में प्रांतीय इकाइयों, शाखा सम्मेलनों, समाजचिंतकों से उपरोक्त आचार संहिता को रूपायित करने हेतु पुनर्प्रयास का अनुरोध है।

**डॉ. जुगल किशोर सराफ**
*चेयरमैन,*
*समाज सुधार उपसमिति*

**सीताराम शर्मा**
*पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं*
*चेयरमैन,*
*सलाहकार उपसमिति*

अध्यक्षीय

# वैवाहिक समारोहों में मद्यपान का निषेध हो

– प्रह्लाद राय अगरवाला

राँची में आयोजित अखिल भारतीय समिति में मद्यपान निषेध संबधित प्रस्ताव पारित हुआ था। इस विषय मे आम सहमति बनी थी एवं प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। सभी प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने वैवाहिक समारोह में बढ़ते मद्यपान पर चिंता जताई थी। प्रस्ताव पारित होने के पहले भी पिछले तीन-चार वर्षों से सम्मेलन प्रयत्नशील रहा है कि वैवाहिक मांगलिक समारोहों में मद्यपान न हो। विवाह के अवसर पर हम देवों एवं पितरों का आह्वान करते हैं। यह धार्मिक एवं पवित्र अवसर होता है।

पिछले कुछ महिनों में इस विषय पर चौतरफा प्रयास किये जा रहे हैं। सम्मेलन के सभी बैठकों एवं सभाओं में इस विषय पर चर्चा हो रही है। प्रदेशों में केन्द्रीय कार्यालय द्वारा इस विषय पर सार्थक कार्यवाही करने का अनुरोध किया गया है। समाचार पत्रों का भी सहयोग मिल रहा है। समय-समय पर इस विषय को समारोहो में प्रमुखता देकर साधारण लोगो में चेतना जागृत करने के लिए महत्वपूर्ण काम किये जा रहे है। इस विषय में सम्मेलन द्वारा कोलकाता के प्रमुख हिन्दी दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञापन भी दिया गया है। सम्मेलन के संवद्ध संस्थाओं से भी अनुरोध किया गया है कि सभी अपने सदस्यों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाएँ।

देश के विशिष्ट उद्योगपति एवं समाजसेवी सर्वश्री रघु मोदी, सुदर्शन कुमार बिड़ला, महेन्द्र कुमार जालान, बालकृष्ण डालमिया ने सम्मेलन के इस कार्यक्रम को पूर्ण समर्थन देते हुए समाजबंधुओ से अपील की है कि वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान का निषेध करें।

प्रसन्नता की बात है कि इस विषय पर सकारात्मक प्रतिक्रियाएँ मिल रही हैं। उदाहरण के तौर पर सम्मेलन के भूतपूर्व अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया ने अपने परिवार में विवाह के अवसर पर वैवाहिक समारोहों मे मद्यपान का निषेध किया। सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दिनेश जैन ने भी अपने परिवार में विवाह के अवसर पर मद्यपान निषेध रखा। हाल ही में कोलकाता के संभ्रांत पोद्दार परिवार के श्री रवि पोद्दार ने भी न केवल मद्यपान का निषेध किया, वल्कि शादी का पीला कार्ड छपवाकर उदाहरण प्रस्तुत किया।

सम्मेलन के इस कार्यक्रम के फलस्वरूप इस विषय में शनैः-शनैः वैवाहिक कार्यक्रमों मे मद्यपान न करने का जनमानस बन रहा है। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि इस कार्यक्रम का विस्तार होगा एवं समाज मे व्याप्त इस कुप्रचलन से हम निजात पा सकेंगे। इस विषय मे समाजबंधुओं का सहयोग एवं सहभागिता आवश्यक, अपेक्षित एवं महत्वपूर्ण है।

जय समाज, जय राष्ट्र!


**ALL INDIA MARWARI FEDERATION**

Central Office : Kolkata, e-mail: aimf1935@gmail.com

**सादर निवेदन (पूरे समाज से)**

**समाज हित और अपने परिवार की भावी पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने हेतु विवाह-शादी, Reception (दुकाव) में शराब (Alcohol) या Cocktail Party न रखी जाए तो सबका भला होगा। वैवाहिक समारोह एक धार्मिक कृत्य है, जहाँ देवता और पितरों का आह्वान होता है – कृपया उनका अपमान न करें। अतः आपसे सादर निवेदन है कि समाज हित में आप आगे आएँ और इस सत्कार्य में साथ दें। समाज अवश्य आपकी सराहना करेगा। आप समाज के हितैषी बनें।**

# वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध कार्यक्रम पर समाज की प्रतिक्रिया सकारात्मक : सन्तोष सराफ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक १७ जुलाई २०१७ को डकबैक हाउस, कोलकाता स्थित सम्मेलन कार्यालय के सभागार में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री संतोष कुमार सराफ के सभापतित्व में आयोजित की गयी।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री संतोष कुमार सराफ ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया और सम्मेलन के वर्तमान क्रियाकलापों पर संक्षेप में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्र में संगठन विस्तार में बहुत अच्छी प्रगति हुई है, केन्द्रीय सम्मेलन एवं प्रादेशिक शाखाओं को मिलाकर वर्तमान सत्र में लगभग २,६०० नये सदस्य बने हैं। उन्होंने हाल में ही सम्पन्न हुए छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पुनर्गठन में राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी के सक्रिय योगदान का उल्लेख करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पुनर्गठन की प्रक्रिया राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल जाजोदिया की देख-रेख में प्रगति पर है। साथ ही, उन्होंने उपस्थित सदस्यों से तमिलनाडु एवं कर्नाटक में प्रादेशिक शाखाओं के पुनर्गठन में हर सम्भव सहयोग का अनुरोध किया। श्री सराफ ने गत दिनों मारवाड़ी सम्मेलन महापंचायत के गठन को एक बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि इससे समाज सुधार के क्षेत्र में सम्मेलन के कार्यक्रमों को सहयोग मिलेगा।

श्री सराफ ने गत १६ सितम्बर २०१७ को ज्ञान भारती विद्यापीठ (नीमतल्ला, कोलकाता) में आयोजित संस्कार-संस्कृति चेतना कार्यक्रम का जिक्र किया और कहा कि कार्यक्रम में भाग लेना उनके लिए एक सुखद अनुभव था। उन्होंने कहा कि अगर हम बचपन में ही अपने बच्चों में अच्छे संस्कार डालेंगे तो इसके अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

बैठक में राष्ट्रीय स्थायी समिति की पिछली बैठक (१३ जुलाई २०१७; कोलकाता) का कार्यवृत सर्वसम्मति से पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन के कार्यकलापों पर 'महामंत्री की रपट' एवं वर्तमान सत्र में स्थायी समिति द्वारा लिए गए निर्णयों पर 'कार्यवाही की रपट' प्रस्तुत की। कार्यसूची के अनुसार उपसमितियों के चेयरमेन/संयोजकों ने अपनी उपसमिति की प्रगति-रपटप्रस्तुत की।

निर्देशिका (डायरेक्टरी) उपसमिति के चेयरमैन श्री ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि नयी निर्देशिका के प्रकाशन हेतु कार्य प्रगति पर है। तथापि कुछ समितियों के

सदस्यों का पूर्ण विवरण/छवि उपलब्ध न होने के कारण विलम्ब हो रहा है। विचार-विमर्श में भाग लेते हुए पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार ने निर्देशिका प्रकाशन से सम्बंधित विभिन्न मुद्दों पर प्रकाश डाला। विचार-विमर्श के बाद निर्णय लिया गया कि उपलब्ध विवरणों के आधार पर ही निर्देशिका प्रकाशन का कार्य सम्पन्न किया जाये और आगामी स्थापना दिवस समारोह में निर्देशिका का विमोचन हो।

वैवाहिक परिचय उपसमिति के चेयरमैन श्री ऋषि बागड़ी ने बताया कि उपसमिति द्वारा बायो-डाटा का आदान-प्रदान सुचारू रूप से हो रहा है। उन्होंने कहा कि नयी तकनीकों से मदद लेने का यथासम्भव प्रयास किया जाता है और वर्तमान में बायो-डाटा का आदान-प्रदान मुख्यतः हवाटसऐप के माध्यम से किया जाता है।

रोजगार सहायता उपसमिति के चेयरमैन श्री दिनेश जैन ने बताया कि अब तक रोजगार हेतु कुल ५५ आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से ४२ आवेदकों को काम पर रखवाया जा चुका है और ९ आवेदनों पर प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि गत महीनों जिन लोगों को रखवाया गया, उनमें से कई अत्यंत अच्छे पदों पर गए हैं। इनमें से जिन सज्जन

को उच्चतम वेतन पर रखवाया गया उनका वेतन ६० लाख रु. सलाना है।

कार्यसूची के अनुसार, आगामी स्थापना दिवस समारोह के तैयारियों की समीक्षा की गई। समाज विकास के विशेषांक पर चर्चा हुई। सभापति श्री संतोष सराफ ने सभी उपस्थितों से विज्ञापन सहयोग का अनुरोध किया और सभी को विज्ञापन प्रपत्र दिया गया। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन के विषय में विचार-विमर्श हुआ और राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया को उपलब्ध सम्भावनाओं पर विचार के बाद प्रस्ताव रखने का दायित्व दिया गया।

कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श के क्रम में, सम्मेलन द्वारा वैवाहिक समारोहों में मद्यपान निषेध के कार्यक्रम और इस सम्बंध में विभिन्न प्रचार-प्रसार माध्यमों से किए जा रहे अनुरोधों पर समाज से मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रियाओं पर चर्चा हुई। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका ने कहा कि सम्मेलन द्वारा समाज सुधारों के प्रयासों के सुपरिणाम दिख रहे हैं। समाज के हर वर्ग ने इसकी सराहना की है और अनुसरण भी कर रहे हैं। विवाह समारोह में महंगे निमंत्रण पत्र की जगह पीले शादी कार्ड छपवाने की अपील का भी असर हुआ है। श्री हरलालका ने बताया कि उद्योगपति-समाजसेवी एवं सम्मेलन के विशिष्टसंरक्षक सदस्य श्री रवि पोद्दार ने इसी माह होने जा रहे अपनी पुत्री के विवाह का निमंत्रण परम्परागत 'कुमकुम पत्रिका' भिजवाकर दिया है। राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने बताया कि श्री रवि पोद्दार ने इस विवाह से सम्बंधित कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध का निर्णय भी लिया है।

अंत में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी ने धन्यवाद-ज्ञापन किया और सभा सम्पन्न हुई। बैठक में पश्चिम बंग प्रादेशिक सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल, श्री रामनिवास शर्मा 'चोटिया', श्री राधा किशन सफ्फड़, श्री सन्दीप सेक्सरिया, श्री रवि लोहिया आदि उपस्थित थे।

Apollo HOSPITALS

Apollo Clinic
*Expertise. Closer to you.*

# OWN AND GROW A RECESSION - PROOF BUSINESS WITH LONG TERM POTENTIAL

**Partner with Apollo Clinic as a franchisee and join the Apollo Hospitals Group**

### You can start a business that:

- Is in Healthcare - Fast growing Industry
- Has minimal credit risk
- Enables you to give back to your community

### Apollo Clinic will provide:

- Strong brand name support
- 360° project and operations support
- Integration with the Apollo Network

If you are prepared to invest ₹ 2.5 - ₹ 3 crore, reach out to us and know more about the Apollo Clinic opportunity at
**www.apolloclinic.com/Franchisee_opportunity.aspx**

**Franchisee enquiries are solicited for the following locations:**

**Assam** – Guwahati | Silchar | Jorhat | Nagaon | Tezpur
**Odisha** – Bhubneshwar | Cuttack | Sambalpur | **Chhattisgarh** - Raipur | Bilaspur
**West Bengal** – Kolkata | Asansol | Durgapur | Burdwan | Kharagpur
**Bihar** – Patna | Muzaffarpur | Gaya | **Jharkhand** – Ranchi | Jamshedpur | Dhanbad

To know more about setting up an Apollo Clinic, contact:
**Tarun Gulati - M: +91 90002 17260** E: **tarun.gulati@apollohl.com**
**Amit Keshari - M: +91 8420029966** E: **amit.k@apollohl.com**

# पूर्वोत्तर सम्मेलन ने मनायी राधाकृष्ण खेमका की सौवीं जयन्ती

गत ५ नवम्बर २०१७ को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गुवाहाटी के ऋतुराज होटल में स्व. राधाकृष्ण खेमका के जन्म शत-वार्षिकी समारोह का आयोजन किया गया। गौहाटी विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष **डॉ. भुपेन्द्र रायचौधरी** समारोह के मुख्य अतिथि थे। ज्ञातव्य है कि स्व. खेमका असम में मारवाड़ी समाज से पहले विधायक एवं एक समर्पित समाजसेवी थे।

अपने वक्तव्य में मुख्य अतिथि श्री रायचौधरी ने स्व. खेमका को गांधीवादी, कर्मठ नेता, समाज-सुधारक, आदर्श समाजसेवी, असम के गौरव और समाज का संत बताते हुए कहा कि वे निस्वार्थ भाव से सदैव समाज-सेवा में तत्पर रहते थे।

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री मधुसूदन सीकरिया** ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि असम में निवास करने वाले मारवाड़ी अपने वाणिज्य व्यवसाय के साथ-साथ असम के सर्वांगीण विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। पूर्वोत्तर सम्मेलन के महामंत्री **श्री प्रमोद तिवाड़ी** ने कहा कि हमें समाज के प्रति समर्पित स्व. खेमका जैसे व्यक्तित्वों का स्मरण रखना चाहिए और इस प्रकार के आयोजन हमेशा करने चाहिए ताकि हमारी भावी पीढ़ी भी हमारे पूर्वजों के अवदानों के विषय में जानकारी प्राप्त कर सके।

समारोह में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री ओंकारमल अगरवाला**, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण **श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल** एवं **डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका**, पूर्वोत्तर सम्मेलन के उपाध्यक्ष **श्री राजकुमार तिवारी**, वरिष्ठ समाजसेवी **श्री प्रभु दयाल जालान**, **सर्वश्री कपूर चंद पाटनी**, **जी. एल. अग्रवाला**, **नवल किशोर मोर**, **रवि शंकर रवि**, **डॉ. दिनेश अग्रवाल**, **अनिल बोरा**, **राम अवतार भरतीया** सहित अनेक गणमान्य सज्जन उपस्थित थे। समारोह का आयोजन **श्री घनश्याम लड़िया** ने किया।

आपस की हमारी फ्रूट पर हमने धर्म की छाप लगा ली है और इस तरह के धार्मिक अन्ध-विश्वासों ने हमको स्वतंत्रता से विचार करने योग्य भी नहीं रखा है। धर्मभीरू होना हम अपने लिए गौरव की बात समझते हैं। धार्मिक और सामाजिक रीति-रिवाजों और रुढ़ियों एवं नाना प्रकार के बन्धनों ने हमें मनुष्यता से गिरा दिया है।

**भूतपूर्व अध्यक्ष**
**स्व. रामगोपाल जी मोहता**

## कामरूप शाखा का परिणय बंधन कार्यक्रम

# आलोचनाओं की परवाह न कर रखें अपने कार्यक्रमों को गतिशीलः मधुसूदन सिकरिया

"सम्मेलन की सभी शाखाएँ अपने-अपने स्तर पर कार्य करती है परन्तु कुछ कार्यक्रम एक मिसाल छोड़ जाते हैं, मील का पत्थर साबित होते हैं। कामरूप शाखा का परिणय बंधन कार्यकमरम उसी श्रेणी में आता है। प्रारम्भ में आलोचनाएँ हुई किन्तु कामरूप शाखा ने अपने कार्यक्रम की गति बनाये रखी और आज इसके सुखद परिणाम दृष्टिगोचर हो रहे हैं।" ये उद्‌गार हैं पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री मधुसूदन सिकरिया** के जो उन्होंने गत ५ नवम्बर २०१७ को कामरूप शाखा द्वारा आयोजित परिणय बंधन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्ति किए।

वैवाहिक डाटा बैंक से सम्बधित वेवसाइट का उद्‌घाटन और एक परिचर्चा भी हुई।

समारोह में, निस्वार्थ भाव से वैवाहिक सम्बंध कराने हेतु स्थानीय समाजसेवियों **सर्वश्री प्रभु दयाल जालान, प्रभु दयाल देवड़ा, सजन जाजोदिया, मदन गर्ग, श्याम सुन्दर लोहिया, विजय मोदी (जोरहाट) एवं अनंतराम वीडियो** को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। **सर्वश्री बंशीधर सरावगी, शिव भगवान शर्मा** और **अजय जैन** के नामों की घोषणा भी इस सम्मान हेतु की गई यद्यपि उपस्थित न होने के कारण उन्हें सम्मानित नहीं किया जा सका।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री ओंकारमल अगरवाला** ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि सम्मेलन ने स्त्रीशिक्षा पर हमेशा जोर दिया है तथा बंधन जैसे कार्यक्रम इसका समाधान है।

समारोह के प्रमुख वक्ता के रूप में बोलते हुए दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री राज कुमार मिश्रा** ने परिणय बंधन कार्यक्रम की संचालन प्रक्रिया के विषय में सविस्तार बताया।

इस अवसर पर **श्री विमल काकड़ा** एवं **श्री रतन अग्रवाल** द्वारा संपादित 'परिणय' नामक स्मारिका का विमोचन,

समारोह के प्रारम्भ में कामरूप शाखा के अध्यक्ष **श्री पवन जाजोदिया** ने स्वागत-वक्तव्य दिया। पूर्वोत्तर सम्मेलन के उपाध्यक्ष **श्री राजकुमार तिवारी**, महामंत्री **श्री प्रमोद तिवाड़ी**, परिणय बंधन संचालन समिति के **श्री जैन मनोज खेमका, श्री प्रदीप जाजोदिया, श्री अशोक अग्रवाल** एवं **श्री बिमल काकड़ा, सर्वश्री ओमप्रकाश दायमा, सुनील शर्मा, अशोक नागौरी, रवि अजीतसरिया, अंजलि कंकानी, हरिप्रसाद गोयनका, कपूरचंद पाटनी** आदि ने भी सभा को सम्बोधित किया। सचिव **श्री नरंजन सिकरीया** के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।

# वैचारिक शक्ति एवं समाज सुधार

– शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय महामंत्री

सोचने की बात है मानव आता है, चला जाता है। राजा का राजपाट शेष हो जाता है। पर विचार कभी नही मरते। गांधीजी ने कहा था – अपने विचारों पर ध्यान रखो। विचारों से शब्द बनते हैं। विचारों के अनुसार व्यवहार एवं कार्य सम्पन्न होते हैं। जैसा व्यवहार एवं कार्य करोगे, वैसी ही आपकी आदत बन जायगी। जैसी आदत होगी, वैसे ही मूल्यबोध होंगे। जैसा आपका मूल्यबोध होगा, वैसा ही भविष्य निर्धारित होगा। इस प्रकार हम समझ सकते हैं कि विचारों का कितना महत्व है।

सामाजिक अवधारणा का अस्तित्व सिर्फ मानव जाति के सोच की उत्पत्ति है। समाज तभी सुदृढ़ होता है, जब इसकी इकाई यानि प्रत्येक व्यक्ति दूसरे के लाभ के लिये त्याग करने को तत्पर रहता है। जिस समाज में व्यक्ति अपने लाभ के लिए दूसरों के हितों की अवहेलना करता है, उस समाज का क्षरण अवश्यम्भावी है। एक दूसरे से सहयोग की प्रवृत्ति से ही समाज पुष्ट होता है। समाज की संरचना एवं उसकी मान्यताएँ सदैव परिमार्जित होते रहते हैं। समय एवं काल के साथ नये विचारों का प्रष्फुटन होता है। कल जो उपयोगी था, आज अनावश्यक में तब्दील हो सकता है। कभी-कभी आधुनिकता एवं वैज्ञानिक प्रगति के कारण भी मापदंड बदल जाते हैं। संचार एवं यातायात के माध्यम में द्रुत अग्रगति के कारण मानव एक-दूसरे से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। भारतीय परम्परा, संस्कृति एवं विचारधारा प्रारम्भ से ही बसुधैवकुट ुम्बकम् मे विश्वास रखती है। फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि प्रत्येक क्षेत्र में भिन्न-भिन्न समाजों की भिन्न-भिन्न मान्यताएँ चली आ रही हैं। उनमें से कुछ रूढ़िवादी या जीर्ण-शीर्ण मान्यताओं एवं रीति-रिवाजों को समय के साथ वदलना आवश्यक हो जाता है। इस बदलाव के लिए समाज की इकाई यानि प्रत्येक व्यक्ति के सोच में बदलाव लाना पड़ता है। इसे वैचारिक क्रांति का स्वरूप भी हम कह सकते हैं। मनुष्य में साधारतः गुण एवं अवगुण दोनो ही विद्यमान रहते हैं। विचारों के मंथन से अपने अवगुणों पर ध्यान देकर हम अपने जीवन को परिष्कृत कर सकते हैं। निरंतर प्रगति मानव-जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। जो व्यक्ति स्वयं को सुधारने की बजाय यथास्थिति से संतुष्ट है, वह एक मिथ्याभ्रम पालता है। जब जीवन को उन्नत करना हमारा लक्ष्य रहेगा तो नाना प्रकार के विचारों से हम मुखातिब होंगे। क्रमशः हम सोच की गहराई मे उतरेंगे। शनैः-शनैः हमारी सोच विशुद्ध होती जायेगी। स्वयं के सोच को परखने की शक्ति हमें प्राप्त होने लगेगी। एक विद्वान व्यक्ति ने बताया कि जब मैं युवा था तो विश्व को बदलना चाहता था। मैंने देखा कि विश्व को बदलना बहुत कठिन हैं। इस लिये मैंने मेरे देश को बदलना चाहा। जब मैंने पाया कि मैं देश को नहीं बदल सकता तो मेरा ध्यान मेरे शहर की ओर गया। जब मैं शहर को भी नहीं बदल पाया, मैंने परिवार को बदलने का प्रयास किया। अब बुढ़ापे में मुझे यह समझ में आया कि मैं सिर्फ एक ही चीज बदल सकता हूँ और वह है स्वयं मैं। अगर स्वयं को मैंने प्रथम से ही बदल लिया होता तो मेरे परिवार पर असर पड़ता। मेरे परिवार और मैं तब शहर पर कुछ असर डाल सकते थे। इस प्रकार मैं विश्व में कुछ बदलाव ला सकता था।

हमारी संस्कृति का उद्घोष है – सभी दिशाओं से नये विचारों को आने दो। हमारे मनीषियों ने विचारों की शक्ति को आदिकाल में ही समझ लिया था। हमारी संस्कृति ने मनुष्य के लिए चार पुरुषार्थ की स्थापना की है – धर्म, अर्थ, काम मोक्ष। इन्द्रियों द्वारा भौतिक सुख का भोग हमारी संस्कृति में स्वीकृत है, पर कुछ शर्तों के साथ। उन शर्तों का अतिक्रमण करने पर वे कार्य अधर्म में परिवर्तित हो जाते हैं। अर्थ के विषय में हमारे शास्त्र कहते हैं कि धन नाजायज तरीके से उपार्जन नहीं कर सकते। मनु कहते हैं कि सभी के भलाई का हमें ध्यान रखना है। यही हमारे अर्थशास्त्र का मूलमंत्र होना चाहिए। पूरे मानव जाति के उत्थान के लिये जो अर्थशास्त्र हो वही धर्मसम्मत है। धर्मसम्मत काम एवं अर्थ हमें मोक्ष की ओर ले जाता है। इन शर्तों को मानव अपनी कमजोरियों के कारण लांघ देता है एवं दूसरों पर दोष मढ़ देता है। यथा –

**लक्ष्मण रेखा हमने लांघी**
**कंचनमृग बदनाम हो गया**

सद्भावना एवं संवेदनशीलता के अभाव में समाज लकवाग्रस्त हो जाता है। इस कारण समाज के रीति-रिवाजों एवं मान्यताओं में प्रदूषण की मात्रा बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में समाज में घुटन की स्थिति पैदा हो जाती है। ऐसी हालत में व्यक्ति एक-दूसरे की देखा-देखी यथास्थिति कायम रखने में अपना पूरा जोर लगा देता है। दूरगामी असर को नजरअंदाज कर तत्कालीन लाभ के लिये हम कुछ भी करने को प्रस्तुत

रहते हैं। ऐसी परिस्थिति से निजात पाने के लिए समाज के नेतृत्व पर आगे आने की जिम्मेदारी होती है। समाज में सुधार का कार्य एक निरंतर प्रक्रिया होना चाहिए। गांधी जी ने कहा था – सामाजिक बदलाव की तुलना में राजनैतिक बदलाव अपेक्षाकृत सरल है। समाज सुधार अत्यंत दुरूह एवं समय-सापेक्ष कार्य है। इसका मुख्य कारण है कि समाज का एक बहुत बड़ा तबका इस सामाजिक बदलाव के दौर में सुप्त अवस्था में चला जाता है। यथास्थिति में विश्वास रखनेवालों की संख्या सदैव ही विशाल बहुमत में रहती है। मार्टिन लूथर किंग ने कहा था कि हमारा अस्तित्व इस बात पर निर्भर करता है कि हम सदैव जागृत रहें। नये विचारों के साथ ताल-मेल वैठायें एवं बदलाव की चुनौतियों का सामना करें।

यह देखा गया है कि समाज में कुरीतियाँ अभाव, अंधविश्वास या अंधी दौड़ से पैदा होती हैं। शक्तिशाली वर्ग की अहंतुष्टि की भावना से उत्पन्न होती हैं। इस आग को हवा तब मिलती है जब समाज का कमजोर तबका सुप्त अवस्था में रहता है। इसी परिस्थिति में वैचारिक संस्थाओं की यह जिम्मेदारी बनती है कि समाज में अलख जगाने का भरपूर प्रयास करे। पूर्वजों की तरह समाज में वैचारिक परिवर्तन के द्वारा जड़ समा ज की कुरीतियों से मुक्ति पा जायें तो उस से बढ़ कर समाजसेवा हो नहीं सकती। मानव एक सामाजिक प्राणी होते हुए भी अपना स्वतंत्र अस्तित्व एवं पहचान बनाये रखना चाहता है। इस कारण बदलाव की प्रक्रिया में प्रारम्भ में कुछ लोग ही आगे आते हैं। इस बदलाव या सुधार के रास्ते में काँटे बिछे रहते हैं। इसलिये सावधानीपूर्वक इस कंटक-मार्ग से काँटों को हटाकर हमें बदलाव का मार्ग प्रशस्त करना होगा। इस प्रक्रिया में कुछ वातों का ध्यान देना चाहिए जो इस प्रकार हैं :

१. समाज सुधार का मुख्य उद्देश्य समाज कल्याण होना चाहिये। प्रत्येक समाज सुधार के विचार की उत्पत्ति समाज के जरूरतमंद एवं उपेक्षित लोगों को ध्यान मे रखकर होनी चाहिए। यह प्रक्रिया किसी एहसान की भावना से प्रेरित न होकर पूरे समाज को स्वस्थ एवं खुशहाल बनाने के लक्ष्य से होनी चाहिए।
२. समाज के खुशहाली के लिए प्रत्येक व्यक्ति को सामाजिक संयम एवं कायदे-कानून का पालन स्वेच्छा से करना चाहिए।
३. समाज-सुधार की प्रक्रिया में धैर्य नहीं खोना चाहिए।
४. सभी सुधारों का अर्थ है नवजागरण। इसके लहर में जीर्ण-शीर्ण मान्यताएँ ध्वस्त हो जायेंगी।
५. सुधार की प्रक्रिया को सफल करने के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति सुधार के मापदंड सर्वप्रथम स्वयं पर लागू करे। गांधीजी ने कहा था कि जो बदलाव तुम दूसरों में देखना चाहते हो, पहले उसको अपने जीवन में उतारो।
६. विचारों का कार्यान्वयन करने के लिए कोशिश तब तक जारी रहनी चाहिए, जब तक पूर्ण सफलता न मिल जाये।
७. महात्मा गांधी ने कहा था कि सुधार की बातों का सर्वप्रथम लोग संज्ञान नहीं लेंगे। बाद में आप पर हसेंगे, आपसे संघर्ष करेंगे। अंत मे आप विजयी होंगे।
८. सफलता कभी उतनी सरलता से नहीं मिलने वाली, जितना आप सोचते हैं।
९. यह ध्यान मे रखना होगा कि प्रत्येक व्यक्ति में गुण एवं अवगुण दोनो विद्यमान रहते हैं।
१०. जिस सुधार के लिए आप कार्य कर रहे हैं, उस पर आपकी दृढ़ आस्था होनी चाहिए। मनसा-वाचा-कर्मणा वह विचार आपको स्वीकार्य होना चाहिए।

सद्‌विचार मे प्रेरित सुधार की शक्ति कभी भी सेवाकार्य से अधिक महत्वपूर्ण होती है। जब तक हम इसमें स्वयं को शत-प्रतिशत नही लगायेंगे, अपेक्षित फल की आशा रखना निरर्थक है। समाज में आज अनेक कुरीतियाँ पनप रही हैं। इसके पीछे नवधनाढ्य वर्ग का महत्वपूर्ण हाथ है। आडम्बर, फिजूलखर्ची के विषय में बहुत कुछ लिखा जा सकता है। रिश्तो में खटास, वड़े बुजुर्गों की अवहेलना, बढ़ते तलाक, मांगलिक अवसरों पर मद्यपान का बढ़ता चलन आदि समस्याएँ समाज को पीछे ढकेल रही हैं। समाज आज इनसे ग्रस्त है। परिवार में जिसके पास धन अधिक है, वही सबसे बड़ा भाई है। धन का बोल-बाला है। कूदने के पहले देखने की जगह आँखे बंद कर कूदते रहो वाली बात की प्रबलता है। समाज में समस्याओं का रहना कोई नई बात नहीं है। समाज ने पहले भी विधवा-विवाह, नारी-शिक्षा, पर्दाप्रथा, मृतक-बिरादरीभोज आदि-आदि कुरीतियों से संघर्ष करके निजात पायी है। कोई कारण नहीं कि आज की समस्याओं से हम उबर नहीं सकें। समाज आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जहाँ समस्याओं से सामना करने की कोई मनस्थिति नहीं दीख रही है। पहले भी हमारे पूर्वज स्वस्थ समाज सौंपने के लिए जिन सुधारों की आवश्यकता महसूस की थी, क्या हम उनसे मुख मोड़ लेंगे? ऐसा हुआ तो यह कायरतापूर्वक घटना होगी। इससे पहले कि परिस्थितियाँ और भी अधिक बिगड़ें, हमें अपने समाज को संभालना है। यह पूरी प्रक्रिया कष्टसाध्य है। जिस प्रकार प्रसव के असह्य पीडा के बाद नयी सृष्टि होती है, उसी प्रकार विचारों के नवजागरण का समय आ चुका है। उस पीड़ा को झेलते हुए समाज मे नवजागरण का सूर्य उदय हो, उसके लिए सभी समाजबंधुओ को मिलकर काम करना है। सुप्त एवं दिशाहीन समाज को जागृत करने एवं दिशा देने से अधिक महत्वपूर्ण सेवा न कोई है और न ही कोई कर सकता।

# अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी सदस्यों के सादर ध्यानार्थ

मान्यवर,

अत्यंत हर्ष के साथ सूचित करता हूँ कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सम्मेलन का स्थापना दिवस समारोह आगामी २५ दिसम्बर २०१७ को शेक्सपीयर सरणी (थियेटर रोड), कोलकाता स्थित कला मंदिर सभागार में सुबह ११ बजे से आयोजित किया गया है।

समारोह में आपकी सपरिवार उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

धन्यवाद सहित...

**— शिव कुमार लोहिया**
राष्ट्रीय महामंत्री

## फोड़ा घणा घाले

घटिया पाड़ोस,
बात बात में जोश,
कुठोड़ दुखणियो,
जबान सुं पुरणियो.... फोड़ा घणा घाले।

थोथी हथाई,
पाप री कमाई,
उळझोड़ो सूत,
माथे चढ़ायोड़ो पूत.... फोड़ा घणा घाले।

झूठी शान,
अधुरो ज्ञान,
घर मे कांश,
मिरच्यां री दांस.... फोड़ा घणा घाले।

बिगड़ोडो ऊंट,
भीज्योड़ो ठूंठ,
हिडकियो कदुत्तो,
पग मे काठो जुत्तो.... फोड़ा घणा घाले।

दारू री लत,
टपकती छत,
उँधाले री रात,
बिना रुत री बरसात.... फोड़ा घणा घाले।

कुलखणी लुगाई,
रुळपट जँवाई,
चरित्र माथे दाग,
चिणपणियो सुहाग.... फोड़ा घणा घाले।

चेहरे पर दाद,
जीभ रो स्वाद,
दम री बीमारी,
दो नावाँ री सवारी.... फोड़ा घणा घाले।

अणजाण्यो संबन्ध,
मुँह री दुर्गन्ध,
पुराणों जुकाम,
पैसा वाळा ने 'नाम'.... फोड़ा घणा घाले।

ओछी सोच,
पग री मोच,
कोढ़ मे खाज,
मूरखां रो राज.... फोड़ा घणा घाले।

कम पूंजी रो व्यापार,
घणी देयोड़ी उधार,
बिना विचार्यो काम.... फोड़ा घणा घाले।

जयन्ती पर विशेष

# गांधी जी के पाँचवे पुत्र – जमनालाल बजाज

समाज के लिये यह गर्व की बात है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पाँचवे पुत्र होने का गौरव समाज के ही एक व्यक्ति को प्राप्त है। जमनालालजी का जीवन अनुकरणीय एवं वेमिसाल है। वे सदैव ही धनलाभ से ज्यादा ईमानदारी, शब्दों से ज्यादा कार्य-सम्पादन को एवं व्यक्तिगत लाभ से ज्यादा सार्वजनिक लाभ को महत्व देते थे। जमनालाल जी के पास अपार सम्पत्ति थी, पर वे उस सम्पत्ति के मालिक होने की मानसिकता से उपर उठ गये थे। उनका मानना था कि उद्योग एवं व्यापार में नैतिकता का होना अति आवश्यक है। लक्ष्मी जी का उन्होंने आह्वान किया था की मैं लक्ष्मीदेवी से प्रार्थना करता हूँ कि वे मुझे ईमानदारी से व्यापार करने की वुद्धि दें। मुझे व्यापार मे सफलता एवं उन्नति प्रदान करें एवं उस लाभ से देश एवं पीड़ित मानवता के लाभ के लिए उपयोग करने की मनोवृति दें।"

जमनालालजी वर्धा मे रहते थे, किन्तु उनका जयपुर के पास सीकर जिले मे हुआ पर अपने जीवन मे अंतिम समय में उन्होंने स्वयं को भवकार्यों से अलग कर दिया। वेसक झोपड़ी में रहने लगे एवं गोसेवा मे लग गये। सरलता, सहजता एवं सादा जीवन का मिसाल उन्होंने प्रस्तुत किया। गांधी जी से उनका संबंध अद्वितीय था। गांधी जी ने उन्हें एक पत्र में लिखा था "तुमने अपने को मेरा पांचवा पुत्र बना लिया है। लेकिन मैं तुम्हारा पिता होने के लायक बनने का अभी भी प्रयास कर रहा हूँ। मेरे लिए यह कोई साधारण जिम्मेदारी नहीं है। भगवान मेरी मदद करें ताकि मै इसी जीवन में उस लायक बन सकूँ।"

एक अन्य पत्र मे उन्होंने लिखा था, "जमनालाल जी ने स्वयं को एवं अपने समस्त सम्पत्ति को मेरे लिए समर्पित कर दिया था। मेरी कोई भी ऐसी गतिविधि नहीं है, जिसमें उनका तन-मन-धन से सहयोग मुझे नहीं मिला हो। उनका सहयोग सदैव ही अत्यधिक मूल्यवान साबित हुआ है। जबकी मैंने धनी व्यक्तियों के अपने सम्पत्ति का ट्रस्टी बनने का बात की है तो मेरे मन सदैव ही मुख्यता वह "राजकुमार व्यापारी" ही मेरे दिमाग मे रहा है।"

अगर हम देश के गांधीवादी संस्थाओ का इतिहास देखते हैं, तो पाते हैं कि सेवाग्राम आश्रम, पवनार आश्रम, महिला सेवा मंडल, शिक्षा मंडल, गांधी सेवा संघ, अखिल भारत कृषि गो सेवा संघ, हरिजन सेवक संघ, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, सस्ता साहित्य मंडल, चरखा संघ, ऑल इंडिया इंडस्ट्रीज एसोसियेसन एवं अन्य ऐसी संस्थाओं में जमनालाल जी का योगदान किसी न किसी रूप में दिखाई देता है।

राष्ट्रप्रेम जमनालालजी में कूट-कूट कर भरा था। वर्धा मे उन्होंने सत्याग्रह आश्रम की स्थापना की। गांधीजी के सविनय अवश आंदोलन मे सन् १९२१ में उन्होने भाग लिया, नागपुर झंडा सत्याग्रह मे सन् १९२३ में एवं साइमन कमीशन के वहिष्कार आंदोलन में सन् १९२९ में, नमक सत्याग्रह में सन् १९३० मे एवं युद्ध विरोधी आंदोलन में सन् १९४१ में उन्होंने भाग लिया। कई बार उन्होंने जेलों की यातना भी भोगी।

जमनालालजी बजाज का जीवन, उनका योगदान राष्ट्रहित के लिए सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी जानकी देवी ने भी समाजसेवा का अतुलनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। समाज के इस अमर सपूत को उनके जन्मदिन पर हार्दिक पुष्पांजलि।

# जीत्यो जी टोडरमल वीर

**– रामेश्वर टांटिया**

लगभग चार सौ वर्ष पहले की बात है। सम्राट अकबर का शासन था। उसके मन्त्रीमण्डल में नौ मन्त्री थे जिन्हें 'नवरत्न' कहा जाता था। उनमें टोडरमल का विशेष आदरपूर्ण स्थान था। वे वित्त और माल जैसे महत्वपूर्ण विभागों को सम्हालते थे। राज्य के काम से उन्हें प्रायः ही पंजाब, सिंध और काश्मीर को यात्राएँ करनी पड़ती थीं।

आगरा से २०० मील दूर राजस्थान की सीमा पर नारनौल एक कस्बा है, वहाँ अग्रवाल समाज का एक प्रतिष्ठित और धनी परिवार था। टोडरमल का इस परिवार से मैत्री का सम्बन्ध था। वे आते-जाते उनके यहाँ एक-दो दिन आराम करने के लिए ठहर जाते थे।

एक बार, दो-तीन वर्ष तक वे नारनौल नहीं जाये। इस बीच में उस परिवार पर संकट के बादल छा गए। सेठ का देहान्त हो गया, जो धन-सम्पत्ति थी, वह मुनीमों की बदइन्तजामी से समाप्त हो गई। घर में रह गई, विधवा सेठानी और २५ वर्ष का पुत्र।

उन दिनों बहुत छोटी उम्र में बच्चों के सगाई-विवाह हो जाते थे। पुत्र की सगाई सेठजी के रहते ही पास के कस्बे में एक सम्पन्न स्वजातीय घराने में हो गई थी। अब वह विवाह के योग्य हो गया। लड़की वाले उनकी नाजुक हालत को जान चुके थे, परन्तु उन दिनों बिना पर्याप्त कारण के सम्बन्ध नहीं तोड़े जाते थे। कभी-कभी तो सम्बन्ध टूट जाने पर वरपक्ष के लोग अपने भाई-बन्धु और मित्रों के साथ हथियारों से सुसज्जित होकर बारात ले जाते और युद्ध में जीत कर बहू को ले आते।

कन्या पक्षवालों ने सुपारियों की एक कोथली नारनौल भेजी और लिखा कि विवाह का लगन फाल्गुन में है। आपके और हमारे घराने की इज्जत का ध्यान रखते हुए आप कम से कम इन सुपारियों जितने प्रतिष्ठित बाराती अवश्य लावें। हमारे यहाँ हमेशा वर हाथी के हौदे पर आता है, इसलिए कम से कम दो-तीन हाथी भी बारात में रहने जरूरी हैं।

सेठानी समझदार महिला थी, वह उनलोगों की चालाकी समझ गई। सैकड़ों व्यक्तियों की बारात के लिए उसी अनुपात में रथ, घोड़े और ऊँट चाहिए। आने-जाने के समय उन सबके लिए भोजन और पशुओं के लिए दाना-चारा। वह सब अब उसके बस की बात नहीं थी। परिवार के स्वजन और मित्रों से सलाह की, परन्तु कोई उपाय नजर नहीं आया।

सेठानी कई दिनों से इसी चिन्ता में थी कि अचानक पंजाब जाते हुए टोडरमल उनके यहाँ ठहरे। उन दिनों उत्तर भारत में पर्दाप्रथा थी परन्तु सेठानी उनकी मुँह-बोली बहिन थी, इसलिए उनसे बोलती थी और पर्दा नहीं करती थी। ट ोडरमल ने महसूस किया कि बहिन बहुत उदास है। कारण पूछने पर वह कुछ बोल नहीं पायी और सुबक-सुबक कर रोने लगी। थोड़ी देर में जब आश्वस्त हुई तब बताया कि लड़की वाले बहुत धनाढ्य हैं, वे अब सम्बन्ध तोड़ना चाहते हैं। सीधे तौर पर कहने से उन्हें अपनी बदनामी का डर है, इसलिए ऐसी शर्त रख रहे है जिससे हमलोग स्वयं सगाई तोड़ दें। आज हमारी ऐसी दयनीय दशा हो गयी है कि हमें अपनी माँग (वाग्दत्ता) को छोड़ना पड़ रहा है।

सारी बातें सुनकर टोडरमल ने कहा कि आप चिन्ता मत करिये, जो कुछ जवाब देना होगा, मैं आपकी तरफ से भिजवा दूँगा। कुछ दिनों बाद, कन्या पक्ष वालों के यहाँ मूँगों से भरी हुई एक कोथली लिए कासिद पहुँचा। पत्र में यथायोग्य के बाद लिखा था कि विवाह की तिथि हमें मंजूर है, परन्तु आपकी और हमारी इज्जत का ख्याल करके हम इतने बाराती लाना चाहते हैं, जितने मूँग इस कोथली में हैं। स्वर्गीय सेठजी का जयपुर से लेकर आगरा तक बहुत लोगों से स्नेह सम्पर्क था, भला इकलौते पुत्र के विवाहोत्सव पर उन सबको हम कैसे भूल सकते हैं? आप खातिर जमा रखें, बारात में बड़े से बड़े लोग आयेंगे। हमलोग बारात लेकर फलां दिन पहुँच रहे हैं, आप सारी तैयारी रखियेगा।

पत्र पढ़कर उनलोगों ने मूँग गिने, जिनकी संख्या करीब २ हजार थी। वे मन ही मन हँस रहे थे कि अधिक दुख से सेठानी शायद विक्षिप्त हो गयी है। इतने बारातियों के लिए जितने हाथी, घोड़े, ऊँट और रथ चाहिए - उन सबकी व्यवस्था तो शायद नगर सेठ भी नहीं कर सकते। रास्ते में इन सबके खाने-पीने और आराम के लिए भी लाखों रुपये चाहिये। खैर, उन्होंने कासिद के साथ उत्तर दे दिया कि हमें आपकी बात मंजूर है। बारातियों की खातिर-तवज्जह के लिए आप बेफिक्र रहें। हम शुभ दिन की प्रतीक्षा में हैं।

इधर टोडरमल ने आगरा आकर अपने मित्रों और साथियों से सलाह की। बादशाह से भी अर्ज को कि हुजूर, मेरे भानजे की बारात जायेगी, इसलिए शाही दरबार से पचास हाथी, पाँच सौ घोड़े और एक हजार रथ और उँट चाहिए। इस मौके पर शाही बाजे और तोपें भी बारात के साथ जाने की इजाजत बख्शी जाय।

बड़े-बड़े राजे-रईस, सरदार और आला अफसरों को बारात के लिए न्यौता दिया गया। रास्ते में भोजन वगैरह की व्यवस्था के लिए पहले से ही सैकड़ों आदमी सरंजाम के लिए भेज दिये गये। नारनौल पहुँचकर राजा टोडरमल ने लाखों रुपयों का भात भरा। बहिन (वर की माता) के लिए मोतियों जड़ी चुमरी और वर-वधू के लिए कीमती गहनों और कपड़ों का अम्बार लगा दिया। वर पक्ष के लोगों के लिए यथायोग्य भेंट और सिरोपाव।

सारे कस्बे में चर्चा फैल गई कि नरसी मेहता के मुनीम साँवरिया सेठ जैसा भात सेठजी के यहाँ आया है।

नारनौल से जो बारात रवाना हुई, वैसी इसके पहले देखी-सुनी नहीं गयी थी – घोड़े, रथ, ऊँट, पालकी और सुखपालों की लम्बी कतार मीलों तक जा रही थी। करीब दो हजार तो बाराती थे और उनके साथ एक हजार नौकर, सईस, महावत और रसोइये आदि। इनके सिवाय बाजे वाले, गाने वाले और नर्तकियों की भी एक बड़ी तादाद थी।

कन्या पक्ष वालों ने जब सुना कि बारात में जयपुर महाराजा मानसिंह, अर्थमंत्री टोडरमल, खानेखाना अब्दुर्रहीम और राजा बीरबल आदि देश के बड़े से बड़े लोग आ रहे हैं; साथ ही हाथी, घोड़े, रथ और ऊँटों का एक बड़ा काफिला है तो वे घबरा गये – यद्यपि वे नगर सेठ थे, लखपति थे, परन्तु फिर भी इतनी बड़ी बारात की व्यवस्था करना उनके वश की बात नहीं थी।

अगवानी के लिए कन्या का पिता कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों को साथ लेकर गया। टोडरमल के पैरों में पगड़ी रखकर कहने लगा कि हमने अपनी तरफ से बहुत भूल की जो बहाना बनाकर सम्बन्ध तोड़ना चाहते थे परन्तु अब हमारी इज्जत आपके हाथ है। इतनी बड़ी बारात ठहराने का न तो हमारे गाँव में स्थान है और न हम इन सबके लिए भोजन और चारे-पानी की व्यवस्था ही कर सकते हैं। सैकड़ों वर्षों से हमारे परिवार को नगर-सेठ की पदवी है, आपकी दया से आस-पास के गाँवों में इज्जत है, परन्तु जहाँ हमारे अनेक स्वजन मित्र हैं, वहाँ ईर्ष्यालु दुश्मनों की संख्या भी कम नहीं है। उन्हें हमारी बेइज्जती से जग-हँसाई करने का मौका मिल जायगा। कन्यादान मेरे परिवार का भाई कर देगा। मैं जिल्लत और बेइज्जती देखने के पहले गाँव छोड़कर सदा के लिए चले जाना चाहता हूँ।

राजा टोडरमल ने उसे उठाकर गले लगाते हुए कहा, "जो कुछ हुआ उसे भूल जाइये, अब तो आप हमारे सम्बन्धी हैं। आपकी मान-बड़ाई में ही हमारी शोभा है। आप चिन्ता न करें, किसी को भी पता नहीं चलेगा। सारी व्यवस्था हमलोगों की तरफ से है। आप केवल प्रवेश के समय शर्बत-पान से बारातियों की अच्छी तरह खातिरदारी कर दीजिएगा।"

बारात की सजावट और आतिशबाजी देखने के लिए आप-पास के गाँवों से हजारों स्त्री-पुरुष और बच्चे आये थे। उन सबके लिए यह एक अभूतपूर्व दृश्य था। मोतियों की झूल पहने हाथी और घोड़े झूम रहे थे। चार-पाँच तरह के शाही बाजे थे। आगरा की प्रसिद्ध नर्तकियों का नाच-गाना हो रहा था और तरह-तरह की आतिशबाजियों की रोशनी से आसमान चमक रहा था। सारे विवाह-कार्य आनन्दपूर्वक समाप्त हुए। वधू को विदा कराकर जब वे नारनौल पहुँचे और द्वाराचार हुआ तो वर पक्ष की महिलाओं ने जो गीत गाया वह था –

अैतो जीत्याजी, जीत्या म्हारा टोडरमल बीर,
केशरियो बनड़ो जीत्यो म्हारै बीरैजी कै पाण।

आज उस बात को ४०० वर्ष हो गये, अभी तक बहू की अगवानी के समय राजस्थान में उस उदारमना भाई टोडरमल की पुण्य-स्मृति में यही गीत गाया जाता है।

(पुस्तक भुले ना भुलाये से साभार)

# श्रद्धांजलि

स्व. जगदीश पाटोदिया 'चाँद'

सम्मेलन के वरिष्ठ सदस्य, राजस्थानी साहित्य के ओजस्वी कवि एवं समर्पित समाजसेवी **श्री जगदीश प्रसाद पाटोदिया 'चाँद'** का वैकुण्ठवास हवड़ा, पश्चिम बंग में गत २६ नवम्बर २०१७ को हो गया।

श्री जगदीश प्रसाद जी सम्मेलन के कार्यक्रमों में सदैव सक्रियता से भाग लेते थे। अपनी मायड़ भाषा राजस्थानी से उन्हें अनन्य प्रेम था और राजस्थानी में वीर रस की कविताओं के लेखन में वे सिद्धहस्त सरस्वतीपुत्र थे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि उनके शोकसंतप्त परिवार को इस दुःखद वेला में धैर्य धारण करने की शक्ति एवं पुण्यात्मा को उत्तरोत्तर उच्च गति दें! – विनम्र पुष्पांजलि!

विविध

## या दुनिया

एक ब एक बूढ़ा सा माणस अर उसका छोरा दूसरे गाम जाण लागरे थे। सवारी वास्तै एक खच्चर ह था। दोनो खच्चर पै सवार होकै चाल पड़े। रास्ते मैं कुछ लोग देख कै बोल्ले, "रै माड़ा खच्चर अर दो-दो सवारी। हे राम, जानवर की जान की तो कोई कीमत नहीं समझदे लोग।"

बूढ़े नै सोच्चया छोरा थक ज्यागा सो छोरा खच्चर पै बैठ्या दिया, अर आप पैदल हो लिया। रस्ते मै फेर लोग मिले, बोल्ले, "देखो, रै छोरा के मजै तै सवारी लेण लगरया सै अर बूढ़ा बच्यारा मरण नै होरया सै।"

छोरा शर्म मान तल्ले हो लिया। बूढ़ा खच्चर पै बठ्या दिया। फेर लोग मिले, "बूढ़ा के मजे तै सवारी लेण लगरया सै अर छोरा बच्चारा.....। उम खाए बेठ्या सै पर.....।

लोकलाज नै बूढ़ा बी उतर गया। दोनो पैदल चलण लाग गे।

थोड़ी देर मैं फेर लोग मिले, "देखो रै लोग्गो! खच्चर गेल्लों सै अर आप दोन जणे पैदला "पागल सैं"। कोई बोल्या।

कुछ सोच कै बाप अपणे बेट्टे नै कहण लग्या, "बेट्टा तै अराम तै सवारी कर, बैठ जा!"

"..... परा बापू!"

बूढ़ा बोल्या, "रै बेट्टा, अराम तै बैठ जा। भोकण दे दुनियां नै। या दुनिया नी जीण दिया करदी बेशक जिस्तरां मरजी करले या तो बस भौकेंगें।

'इब कै हम दोनों खच्चर नै उटा कै चाल्लेंगे? अर फेल के या जीण दें?'

छोरा बाप की बात, अर दुनिया दोनों नै समझ गया था।

## हरियाणा एक नजर में

१. हरियाणा की स्थापना १ नवम्बर १९६६ को हुई थी।
२. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली हरियाणा से तीन ओर से घिरी हुई है।
३. हरियाणा का क्षेत्रफल ४४२१२ किमी है।
४. राज्य में सडकों की कुल लंबाई ३४७७२ किमी है। (२०१५ के अनुसार)
५. अम्बाला (Ambala), पानीपत, और जखाल यहॉ के प्रमुख रेलवे स्टेशन हैं
६. हरियाणा में विधान सभा की ९०, लोकसभा की १० तथा राज्य सभा की ५ सीटे हैं।
७. यहाँ जिलों की संख्या २१ है।
८. हरियाणा की राजकीय भाषा हिंदी है।
९. हरियाणा का राजकीय पशु नीलगाय है।
१०. हरियाणा का राजकीय फूल कमल है।
११. हरीयाणा का राजकीय पेड़ पीपल है।
१२. हरियाणा का राजकीय पक्षी काला तीतर है।
१३. यमुना और घाघरा यहाँ बहने वाली प्रमुख नदियाँ हैं।
१४. होली, दिवाली, तीज, गुग्गापीर, और साँझी यहाँ के प्रमुख पर्व हैं।
१५. गुडगांव स्थित सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान (Sultanpur National Park) हरियाणा का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान है।

## 60+ सिक्सटी प्लस

कार से उतरकर भागते हुए हॉस्पिटल में पहुँचे तोजवान बिजनेसमैन ने पूछा, "डॉक्टर, अब कैसी हैं माँ?"

"अब ठीक हैं। माइनर सा स्ट्रोक था। ये बुजुर्ग लोग उन्हें सही समय पर ले आये, वरना कुछ बुरा भी हो सकता था।" डॉ. ने पीछे बैठे दो बुजुर्गों की तरफ इशारा कर के जवाब दिया।

"रिसेप्शन से फॉर्म इत्यादि की फार्मेलिटी करनी है अब आपको।" डॉ. ने जारी रखा।

"थैंक यू डॉ. साहेब, वो सब काम मेरी सेक्रेटरी कर रही हैं" अब वो रिलैक्स था।

फिर वो उन बुजुर्गों की तरफ मुड़ा.. "थैंक्स अंकल, पर मैनें आप दोनों को नहीं पहचाना।"

"सही कह रहे हो बेटा, तुम नहीं पहचानोगे क्योंकि हम तुम्हारी माँ के वाट्सअप फ्रेंड हैं।" एक ने बोला।

"क्या, वाट्सअप फ्रेंड?" चिंता छोड़, उसे अब, अचानक से अपनी माँ पर गुस्सा आया।

"60 + नॉम का वाट्सप ग्रुप है हमारा। सिक्सटी प्लस नाम के इस ग्रुप में साठ साल व इससे ज्यादा उम्र के लोग जुड़े हुए हैं। इससे जुड़े हर मेम्बर को उसमे रोज एक मेसेज भेज कर अपनी उपस्थिति दर्ज करानी अनिवार्य होती है, साथ ही अपने आस पास के बुजुर्गों को इसमें जोड़ने की भी ज़िम्मेदारी दी जाती है। महीने में एक दिन हम सब किसी पार्क में मिलने का भी प्रोग्राम बनाते हैं।

जिस किसी दिन कोई भी मेम्बर मैसेज नहीं भेजता है तो उसी दिन उससे लिंक लोगों द्वारा, उसके घर पर, उसके हाल चाल का पता लगाया जाता है। आज सुबह तुम्हारी माँ का मैसेज न आने पर हम 2 लोग उनके घर पहुँच गए..।"

वह गम्भीरता से सुन रहा था।

"पर माँ ने तो कभी नहीं बताया।" उसने धीरे से कहा।

"माँ से अंतिम बार तुमने कब बात की थी बेटा?" एक ने पूछा।

बिज़नेस में उलझा, तीस मिनट की दूरी पर बने माँ के घर जाने का समय निकालना कितना मुश्किल बना लिया था खुद उसने।

हाँ पिछली दीपावली को ही तो मिला था वह उनसे गिफ्ट देने के नाम पर।

बुजुर्ग बोले "बेटा, तुम सबकी दी हुई सुख-सुविधाओं के बीच, अब कोई और माँ या बाप अकेले घर में कंकाल न बन जाएँ...बस यही सोच ये ग्रुप बनाया है हमने। वरना दीवारों से बात करने की तो हम सब की आदत पड़ चुकी है।"

उसके सर पर हाथ फेर कर दोनों बुज़ुर्ग अस्पताल से बाहर की ओर निकल पड़े। नवयुवक एकटक उनको जाते हुए देखता ही रह गया।

Comprehensive and Exclusive

# Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

# Subscribe

100% Bargain

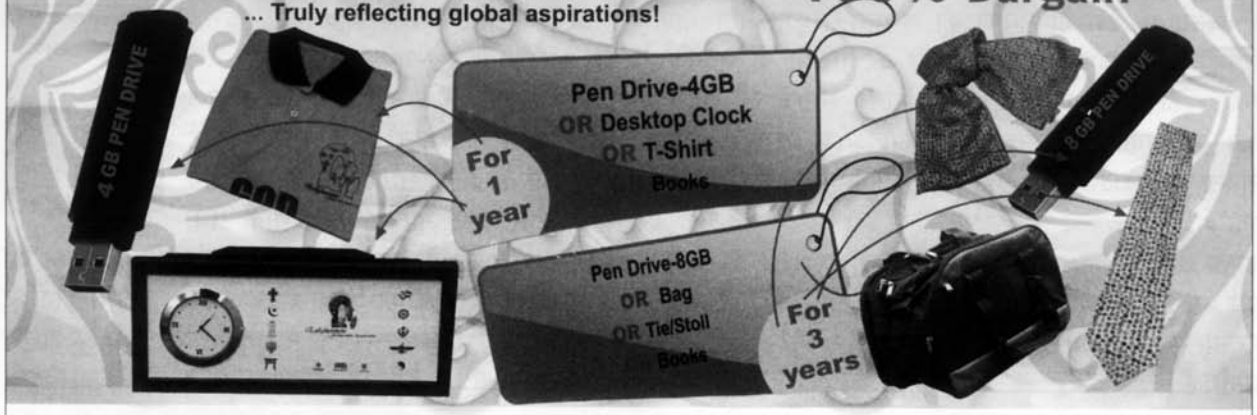


**Subscribe Business Economics :**

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

| Tick | Term | No. of Issues | Price you pay | Gift Value | Saving | US $ | UK £ | Gift Option |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ☐ | 3 Years | 72 | 1440/- | 1440/- | 1440/- | 216 | 144 | ☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books |
| ☐ | 1 Year | 24 | 480/- | 480/- | 480/- | 72 | 48 | ☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books |
| ☐ | 1 Year | 24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150) | 240/- | 150/- | 390/- | - | - | ☐ Exclusively for Students/Institutions |
| ☐ | 1 Year | 24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150) | 240/- | 150/- | 390/- | - | - | ☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS |

**For 1 year Book of choice upto ₹ 480** | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

## Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

**Mail this subscription form along with your Cheque / DD to :** Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

**For Subscription enquiries contact : Kolkata :** Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
**New Delhi :** Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

**Lucky DRAW**

**QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :**
**1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-**

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

*"Educate Morally & Technically"* — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

## Hospitality

## Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

## Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

## *Assistance for placement*

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

## Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

## Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

## Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

## Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

# IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

*With Best Compliments from:*

# ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

**Head- office:**
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

**Branches & Associates :**
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad ( U.P. Border), Indore

# CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYPRELAM®
CENTURYMDF®
CENTURYDOORS™

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™
NEW AGE PANELS

SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**

E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

## Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.

## Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.

## Over 72,000
entrepreneurs empowered.

## Only 1 name
partnering with India's dream
towards a better future.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen

www.srei.com

**Srei Infrastructure Finance Limited**
**Srei Equipment Finance Limited**

INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

Yours Tastefully
Anmol
Enjoy the fresh baked goodness
Butter Bake
2 in 1
Little Sweet
Little Salty
dream LITE
Lemon MAZAA
Marie Plus
Butter Bake
www.anmolindustries.com
Follow us on:

# Translating dreams into reality

*for a perpetual smile on every face*

**S. R. RUNGTA GROUP**

*Cares for the land and its people*

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री दिलीप कुमार सर्राफ**<br>मोहन राम सर्राफ<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री संजय चौधरी**<br>मे. के.पी.एस. कोल्ड स्टोर<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री सुरजमल अग्रवाल**<br>मे. बालाजी स्टोर्स<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री नंद किशोर पारीक**<br>मे. पारीक ऑटोमोबाइल्स<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री सुबोध कुमार केडिया**<br>सतिनाथ बहादूरी लेन<br>पूर्णियाँ, बिहार |
| **श्री राजेश कुमार अग्रवाल**<br>शांती निवास, शिवाजी<br>कॉलोनी, पूर्णियाँ, बिहार | **श्री संजय कुमार कलानी**<br>पार्वतीहाटा<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री अनिल डागा**<br>डी.एस.ए. ग्राउण्ड के सामने<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री नीरज कुमार अग्रवाल**<br>मे. जय बालाजी ट्रैक्टर्स<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री राज कुमार केजरीवाल**<br>मे. जय माँ काली मेडिकल<br>एजेन्सी, पूर्णियाँ, बिहार |
| **श्री अनिल कुमार डोकानियाँ**<br>मे. अंगराज एजेन्सी<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री आलोक कुमार**<br>दुर्गा बाड़ी, भट्टा बाजार<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री संजय कुमार जैन**<br>भट्टा बाजार, खिरू चौक<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री सुनिल कुमार जैन**<br>मे. सुनिल स्टोर, लखन<br>चौक, पूर्णियाँ, बिहार | **श्री निर्मल कुमार जैन**<br>मे. जैन ट्रेडर्स<br>पूर्णियाँ, बिहार |
| **श्री निर्मल सरावगी**<br>विवेकानंद कालोनी<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री नवरत्न कुमार दुग्गड़**<br>मे. संजय मल्टी ब्रांड<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री गणेश कुमार दुग्गड़**<br>मे. संजय मल्टी ब्रांड<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री अनुप पंसारी**<br>लता निवास, नवरत्न हाट्टा<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री सुभाष कुमार अग्रवाल**<br>लीला कुंज, भट्टा बाजार<br>दुर्गा बाड़ी, पूर्णियाँ, बिहार |
| **श्री पारस कुमार जेजानी**<br>राणी सति चौक, कसबा<br>बिहार | **श्री सुरेश कुमार सर्राफ**<br>मे. सर्राफ एजेन्सी<br>भट्टा बाजार, पूर्णियाँ, बिहार | **श्री सुनिल लोहिया**<br>रजनी चौक, पूर्णियाँ,<br>बिहार | **श्री अनिल लोहिया**<br>रजनी चौक, पूर्णियाँ,<br>बिहार | **श्री चेतन कुमार शर्मा**<br>जेल चौक, डिस्ट्रीक्ट स्कूल<br>रोड, पूर्णियाँ, बिहार |
| **श्री राज कुमार चाँदकोठियाँ**<br>अपो. राम कृष्ण मिशन<br>भट्टा बाजार,पूर्णियाँ, बिहार | **श्री दिलीप कुमार लोहिया**<br>मे. दिपीका लुब्रिकेंट्स<br>हाउस, पूर्णियाँ, बिहार | **श्री राजेश गर्ग**<br>रजनी चौक, रजनीकांत<br>कालोनी, पूर्णियाँ, बिहार | **श्री विष्णु शर्मा**<br>टैक्सी स्टैंड<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री करण पटवारी**<br>मे. ऋिधी-सिद्धी इलेक्ट्रीकल्स<br>झंडा चौक, पूर्णियाँ, बिहार |
| **श्री महेश कुमार अग्रवाल**<br>मे. सुल्तानियाँ ऑटो<br>गुरुद्वारा रोड, पूर्णियाँ, बिहार | **श्री निलेष अग्रवाल**<br>मे. ए-१, एसेसरिज हाउस<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री प्रितम कुमार मोहनका**<br>द्वारा - कृष्णा इंटरप्राइजेज<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री गौरव अग्रवाल**<br>खिरू चौक, भट्टा बाजार<br>पूर्णियाँ, बिहार | **श्री गौरव पंसारी**<br>मे. जीया मां ग्रेन स्टोर<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्री सज्जन कुमार केजरीवाल**<br>खेमचंद भगवान दास<br>खगड़िया, बिहार | **श्री प्रकाश कुमार खेतान**<br>मे. जय माँ दुर्गा हार्डवेयर<br>खगड़िया, बिहार | **श्री राजीव कुमार खेतान**<br>जमालपूर गोगरी<br>खगड़िया, बिहार | **श्री प्रशांत कुमार महानसरियाँ**<br>मे. प्रभात ज्वेलर्स<br>खगड़िया, बिहार | **श्री महेश कुमार**<br>मे. गोपालदास ओमप्रकाश<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्री राजेश बगेड़िया**<br>मे. अनिल ट्रेडिंग कं.<br>टावर चौक, खगड़िया, बिहार | **श्री अशाक कुमार बगेड़िया**<br>मे. शिव गंगा वस्त्रालय<br>खगड़िया, बिहार | **श्री हरि किशोर शर्मा**<br>जमालपूर, गोगरी<br>खगड़िया, बिहार | **श्री गोपाल कुमार कानोड़िया**<br>मे. जगदम्बा खाद्य भण्डार<br>खगड़िया, बिहार | **श्री लक्ष्मण कुमार महेनसरिया**<br>मे. श्री दुर्गा भण्डार<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्री अरविन्द कुमार केजरीवाल**<br>मे. अरविन्द वस्त्रालय<br>खगड़िया, बिहार | **श्री गोपाल प्रसाद ड्रोलिया**<br>जमालपूर, गोगरी<br>खगड़िया, बिहार | **श्री राज कुमार नारनोलिया**<br>जमालपूर, गोगरी<br>खगड़िया, बिहार | **श्री श्रवण कुमार अग्रवाल**<br>मे. मंगलम<br>खगड़िया, बिहार | **श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल**<br>जमालपूर, गोगरी<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्री प्रदीप खेमका**<br>मोतिलाल वार्ड नं.-१५<br>खगड़िया, बिहार | **श्री पशुपति खेमका**<br>मे. बालाजी गारमेन्ट्स<br>खगड़िया, बिहार | **श्री राजेश कुमार कानोड़िया**<br>मे. श्याम सुन्दर वस्त्रालय<br>खगड़िया, बिहार | **श्री अनिल कुमार नारनोलिया**<br>मे. माँ दुर्गा ट्रेडर्स<br>खगड़िया, बिहार | **श्री मुकेश कुमार बगड़िया**<br>मे. ए. के. ट्रेडर्स<br>खगड़िया, बिहार |
| **श्री नवल किशोर खेतान**<br>मे. नवल खाद्य भण्डार<br>खगड़िया, बिहार | **श्री शौरभ कुमार**<br>मे. रामेश्वर लाल अग्रवाल<br>बेगूसराय, बिहार | **श्री रतन कुमार नारनोलिया**<br>में सुमन ट्रेडर्स खगड़िया,<br>बिहार | **श्री संजीब कुमार बजाज**<br>मे. एस. हैन्डलूम<br>बेगूसराय, बिहार | **श्री विनय बगड़िया**<br>मे. वृन्दावन खीट्स<br>बेगूसराय, बिहार |
| **श्री नवल किशोर जयपूरिया**<br>एल.आई.सी. एजेन्ट<br>बेगूसराय, बिहार | **श्री सोनु शर्मा**<br>मे. मेनस्टार<br>बेगूसराय, बिहार | **श्री गौरव टिबड़ेवाल**<br>अनुपम वस्त्रालय के सामने<br>बेगूसराय, बिहार | **श्री मनोज कुमार वर्मा**<br>बखरी बाजार<br>बेगूसराय, बिहार | **श्री अमन कुमार**<br>बखरी बाजार<br>बेगूसराय, बिहार |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री केशव कुमार जालान**<br>बखरी बाजार<br>बेगूसराय, बिहार | **श्री बिनोद कुमार टिबड़ेवाल**<br>मे. विनोद हैन्डलूम<br>बेगूसराय, बिहार | **श्री कैलाश प्रसाद अग्रवाल**<br>मे. बम्बई ड्रेसेज<br>बेगूसराय, बिहार | **श्री नवीन अग्रवाल**<br>२३, नवीन मित्रा लेन<br>रांची, झारखंड | **श्री राम किशोर अग्रवाल**<br>२३, नवीन मित्रा लेन<br>रांची, झारखंड |
| **श्री सज्जन कुमार केजरीवाल**<br>लाल बाजार, झरीया<br>धनबाद, झारखंड | **श्री परूषोत्तम अग्रवाल**<br>द्वारा– श्रीराम मतराम<br>लाल बाजार, झरीया<br>धनबाद, झारखंड | **श्री बासुदेव लाल भाला**<br>मे. श्री सरस निकम्प<br>रांची, झारखंड | **श्री प्रनत तुलस्यान**<br>४०१, उमा शांति अपार्टमेंट<br>रांची, झारखंड | **श्री मोहक जैन**<br>बड़ालाल स्ट्रीट, अपर<br>बाजार, रांची, झारखंड |
| **श्री राज कुमार टांटिया**<br>श्री कृपा<br>रांची, झारखंड | **श्री मनमोहन मोहता**<br>रूद्राक्ष ग्रीन<br>रांची, झारखंड | **श्री गोकुल मोहता**<br>फ्लैट नं०-डी-२, रुद्राक्ष ग्रीन<br>रांची, झारखंड | **श्री संदीप मोहता**<br>फ्लैट नं०-डी-२, रुद्राक्ष ग्रीन<br>रांची, झारखंड | **श्री अनुप कुमार खेतान**<br>फ्लैट-३०२, रिद्धीमान<br>बसंत बिहार,रांची,झारखंड |
| **श्री प्रह्लाद राय सिंघानियाँ**<br>सत्या इंक्लेव<br>रांची, झारखंड | **श्रीमती शांति देवी सिंघानियाँ**<br>सत्या इंक्लेव<br>रांची, झारखंड | **श्रीमती रचना सिंघानियाँ**<br>सत्या इंक्लेव<br>रांची, झारखंड | **श्रीमती मिनाक्षी सिंघानियाँ**<br>सत्या इंक्लेव<br>रांची, झारखंड | **श्रीमती स्वाती सिंघानियाँ**<br>फ्लैट नं०- ए/५०३, सत्या<br>इंक्लेव, रांची, झारखंड |
| **श्री प्रत्युष सिंघानियाँ**<br>फ्लैट नं०-ए/५०३, सत्या<br>इंक्लेव, रांची, झारखंड | **मिस. परिधी सिंघानियाँ**<br>फ्लैट नं०-ए/६०३, सत्या<br>इंक्लेव, रांची, झारखंड | **श्री पुलोक सिंघानियाँ**<br>फ्लैट नं०-ए/६०३, सत्या<br>इंक्लेव, रांची, झारखंड | **श्री बिमल सिंघानियाँ**<br>फ्लैट नं०-ए/४०३, सत्या<br>इंक्लेव, रांची, झारखंड | **डॉ. यमुना प्रसाद लक्छीरामका**<br>नर्सिंग भवन<br>देवघर, झारखंड |
| **श्री राजीव तुलस्यान**<br>बंगला नं० - ४<br>धनबाद, झारखंड | **श्री सुशील कुमार अग्रवाल**<br>फेज नं०-१, फ्लैट नं०-१/डी<br>बारियातु रोड, रांची, झारखंड | **डॉ. विनय कुमार माहेश्वरी**<br>मे.नागरमल मोदी सेवा सदन<br>रांची, झारखंड | **श्री काशी प्रसाद दारुका**<br>एफ-३, लेक प्लेस<br>रांची, झारखंड | **श्री प्रेम तिवाड़ी**<br>बी-१ तारामती अपार्टमेन्ट<br>रांची, झारखंड |
| **श्री जूगल केडिया**<br>फ्लैट नं०-ए/१२३, जगदीश<br>इंक्लेव, रांची, झारखंड | **श्री आनंद प्रकाश**<br>डी-९, निलाम्बर आवास<br>रांची, झारखंड | **श्री शुभम सिंघानियाँ**<br>मे. सोनी स्टोर्स<br>रांची, झारखंड | **श्री निरज अग्रवाल**<br>३०१, मंगलमूर्ती रेसीडेंसी<br>रांची, झारखंड | **श्री गौतम बियानी**<br>मे. कॉस्मो इलेक्ट्रो इण्डस्ट्रीज<br>रांची, झारखंड |
| **श्रीमती कविता दारूका**<br>मे. केदारनाथ रामगोपाल<br>एण्ड संस,कोडरमा,झारखंड | **श्री अरूण कुमार पिलानियां**<br>आई. सी. आर. के.<br>कोडरमा, झारखंड | **श्री दीनदयाल केडिया**<br>आई.एम.एस. रोड<br>कोडरमा, झारखंड | **श्री राम रतन महर्षी**<br>मे. महर्षी मेडिकल<br>कोडरमा, झारखंड | **श्री सुरेश कुमार जैन**<br>मे. जैन ब्रदर्स एण्ड कं०<br>कोडरमा, झारखंड |
| **श्री नरेश कुमार जैन**<br>सिंघ भवन<br>कोडरमा, झारखंड | **श्री अजय अग्रवाल**<br>अग्रसेन भवन के पिछे<br>कोडरमा, झारखंड | **श्री राधेश्याम अग्रवाल**<br>मे. गणेश भंडार<br>झरीया, झारखंड | **श्री महेश कुमार खंण्डेलवाल**<br>मे. विनायक शोपिंग सेन्टर<br>हजारीबाग, झारखंड | **श्री अरूण कुमार जैन**<br>झंडा चौक<br>हजारीबाग, झारखंड |
| **श्री जितेन्द्र कुमार जैन**<br>जैन मन्दिर रोड<br>हजारीबाग, झारखंड | **श्री सुरेश कुमार बूबना**<br>डॉ. भाभा मार्ग<br>हजारीबाग, झारखंड | **श्री कैलाश कुमार बूबना**<br>डॉ. भाभा मार्ग<br>हजारीबाग, झारखंड | **श्री बृज किशोर अग्रवाल**<br>मे. फोगला एजेन्सी<br>गुमला, झारखंड | **श्री आदित्य कुमार अग्रवाल**<br>मे. फोगला एजेन्सी<br>गुमला, झारखंड |
| **श्री पदम कुमार साबू**<br>मे. साबू फ्लोर मिल<br>गुमला, झारखंड | **श्री प्रमोद कुमार साबू**<br>मे. साबू ब्रदर्स<br>गुमला, झारखंड | **श्री बिनोद कुमार गर्ग**<br>मे. विहारी ऑटो सेन्टर<br>गुमला, झारखंड | **श्री दिलीप कुमार मंत्री**<br>मे. मंत्री ट्रेडर्स<br>गुमला, झारखंड | **श्री मांगीलाल अग्रवाल (लुंडिया)**<br>मे. नेशनल ट्रेडर्स<br>गुमला, झारखंड |
| **श्री ओम प्रकाश अग्रवाल**<br>मे. शुभम प्लाई एण्ड हार्डवेयर<br>गुमला, झारखंड | **श्री श्याम सुन्दर साबू**<br>मे. अमित स्टील<br>गुमला, झारखंड | **श्री सज्जन कुमार अग्रवाल**<br>में आनंद कंस्ट्रक्शन<br>गुमला, झारखंड | **श्री रतन लाल अग्रवाल**<br>धोबी मोहल्ला, मेन रोड<br>गुमला, झारखंड | **श्री मुरारी कृष्णा नरसरिया**<br>मेन रोड, गुमला<br>झारखंड |
| **श्री राजेश कुमार अग्रवाल (गारोड़ीया)**<br>बी एस एन एल अफिस<br>के सामने, गुमला, झारखंड | **श्री बैजनाथ कुमार मंत्री**<br>मे. मंत्री स्टोर<br>गुमला, झारखंड | **श्री पवन कुमार माहेश्वरी**<br>मे. श्री तिरूपति स्टील<br>गुमला, झारखंड | **श्री कृष्ण नरसरिया**<br>मुरली बगीचा<br>गुमला, झारखंड | **श्री गोविन्द खण्डेलवाल**<br>सिद्धी विनायक, पालकोट<br>रोड, गुमला, झारखंड |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री रामअवतार अग्रवाल**<br>मुरली बगीचा<br>गुमला, झारखंड | **श्री निर्मल कुमार गोयल**<br>मे. मों शक्वरी ट्रेडर्स<br>गुमला, झारखंड | **श्री राम गोपाल साबू**<br>मे. साबू कृषि क्रांती<br>गुमला, झारखंड | **श्री प्रदीप कुमार साबू**<br>मुरली बगीचा<br>गुमला, झारखंड | **श्री अमित माहेश्वरी**<br>मे. राजेश स्टोर्स<br>गुमला, झारखंड |
| **श्री ओम प्रकाश मलानी**<br>मे. श्री गणेश वस्त्रालय<br>गुमला, झारखंड | **श्री मनोज कुमार अग्रवाल**<br>मे. सुमंगल इंटरप्राईजेज<br>गुमला, झारखंड | **श्री योगेश कुमार शर्मा**<br>बैंक ऑफ इंडिया के सामने<br>गुमला, झारखंड | **श्री भगवान अग्रवाल (गारोडिया)**<br>मुरली बगीचा<br>गुमला, झारखंड | **श्री अरविन्द कुमार अग्रवाल**<br>३डी अर्जून मेन्शन<br>राँची, झारखंड |
| **श्री अजय कुमार बंका**<br>कार्टसराय रोड<br>रांची, झारखंड | **श्री अनिल कुमार धानुका**<br>३०१बी, सत्य गंगा आर्केड<br>रांची, झारखंड | **श्री विनायक पोद्दार**<br>विद्यापति नगर<br>रांची, झारखंड | **श्री संदीप कुमार जालान**<br>३०१बी, तीसरा तल, सत्य गंगा आर्केड, राँची, झारखंड | **श्री सुमित जालान**<br>३०१बी, तीसरा तल<br>सत्य गंगा आर्केड, झारखंड |
| **श्री अजय बगड़ीया**<br>मे. बगड़ीया ब्रदर्स<br>रांची, झारखंड | **श्री अमित कुमार जालान**<br>मे. अमित इलेक्ट्रीकल्स<br>रांची, झारखंड | **श्री महेश अग्रवाल**<br>मे. नारायणी उद्योग<br>धनबाद, झारखंड | **श्री फकीर चंद खेतान**<br>मे. अयुर्वेद औषधालया<br>धनबाद, झारखंड | **श्री प्रकाश कुमार अग्रवाल**<br>मे. पी. एम. फूड<br>धनबाद, झारखंड |
| **श्री संजय कुमार अग्रवाल**<br>मे. विकास कं.<br>धनबाद, झारखंड | **श्री संतोष कुमार शर्मा**<br>मे. बंगाल कं.<br>धनबाद, झारखंड | **श्री श्याम सुन्दर भिमसरीया**<br>सिंडीकेट बैंक के सामने<br>धनबाद, झारखंड | **श्री राजेश कुमार तुलस्यान**<br>मेमकोमोरे, नागनगर<br>धनबाद, झारखंड | **श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल**<br>दलीयापूर<br>धनबाद, झारखंड |
| **श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल**<br>पो. बलियापूर<br>धनबाद, झारखंड | **श्री अशोक कुमार अग्रवाल**<br>बलियापूर<br>धनबाद, झारखंड | **श्री गिरधारी लाल अग्रवाल**<br>द्वारा मेघराज अग्रवाल<br>धनबाद, झारखंड | **श्री महेन्द्र अग्रवाल**<br>कैसोल बिल्डींग के बगल में<br>धनबाद, झारखंड | **श्री रमेश चन्द्र शर्मा**<br>मे. श्री स्वीट्स, सरायढ़ेला<br>धनबाद, झारखंड |
| **श्री सुनिल कुमार अग्रवाल**<br>टुंडी रोड, गोविन्दपूर<br>धनबाद, झारखंड | **श्री अनंत भरतिया**<br>द्वारा - रमेश कुमार अग्रवाल<br>झरिया, धनबाद, झारखंड | **श्री राजेन्द्र अग्रवाल**<br>श्रीराम काम्पलेक्स, हीरापूर<br>धनबाद, झारखंड | **श्री शिव चरण गोयल**<br>हीरापूर हाट<br>धनबाद, झारखंड | **श्री सज्जन कुमार खड़कीया**<br>शास्त्रीनगर (पूरब)<br>धनबाद, झारखंड |
| **डॉ. ओम प्रकाश अग्रवाल**<br>लाईफ लाईन हॉस्पिटल<br>धनबाद, झारखंड | **श्री दिलीप कुमार तुलस्यान**<br>मे. श्री राम सैनिटरी<br>धनबाद, झारखंड | **श्री सुनिल कुमार तुलस्यान**<br>मे.प्लाई हाउस, जोड़ा फाटक<br>धनबाद, झारखंड | **श्री आनंद बाजोरिया**<br>१११, काशीपूर रोड<br>कोलकाता - ७००००२ | **श्री मयूर अग्रवाल**<br>मे. ए.एल.पी. एण्ड अशोसियेट्स<br>४, जी.सी.एवेन्यु, कोल-१३ |
| **श्री अजय कुमार गुप्ता**<br>द्वारा - ए.के. गुप्ता एण्ड कं.<br>४२/१, बी.बी. गाँगुली स्ट्रीट, कोलकाता-१२ | **श्री सुशील कुमार बगड़ीया**<br>मे. राज कुमार ब्रदर्स<br>१६७, नेताजी सुभाष रोड<br>कोलकाता - ७००००७ | **श्री अशोक झुनझुनवाला**<br>मे. जेनविन ट्रेडर सेन्टर<br>१०ए,एन.एस.रोड, कोल -१ | **श्री विवेक चिरान्या**<br>मे. के. वी. आर एण्ड असोसियेट्स, ७, ग्रांट लेन, रू. नं. ३०६, कोल-१२ | **श्री बिष्णु बसिया**<br>मे. बसिया एण्ड कं.<br>३३/१, एन.एस. रोड, कोल-०१ |
| **श्री रिक्की अगरवाला**<br>तीसरा तल, रूम नं०-८३<br>१८७, रविन्द्र सरणी, कोल-७ | **श्री विराट शर्मा**<br>मे. पतंजली एण्ड कं.<br>१०ए, बॉगड़ बिल्डिंग,<br>१६१/१, एम.जी.रोड, कोल-७ | **श्री नवरत्न पिंचा**<br>१ एण्ड २,ओल्ड कोर्ट हाउस कार्नर, कोलकाता - १ | **श्री अरविन्द कुमार सोनी**<br>मे.महावीर डॉवर ज्वेलर्स प्रा.लि.<br>ब्लक-बी,२०४,सिटी सेन्टर, कोल-६४ | **श्री अजय कुमार बोथरा**<br>मे. बोथरा एण्ड बोथरा<br>आफरिन प्लाजा, कोल-७ |
| **श्री द्वारका दास रामलाल मंत्री**<br>राम कमल बिल्डिंग<br>सीताराम नगर, लातूर, महाराष्ट्र | **श्री गोविन्द लक्ष्मीनारायण पारिख**<br>मे. साईबाबा मोटर्स<br>लातूर, महाराष्ट्र | **श्री विवेक कुमार पसारी**<br>ओ-४०४, द्वितीय तल<br>एल.सी.रोजड, धनबाद, झारखंड | **श्री श्याम कुमार पसारी**<br>ओ-४०४, द्वितीय तल, एल. सी. रोड, धनबाद, झारखंड | **श्री विकाश कुमार पटवारी**<br>मे. क्रिस आईसक्रीम पार्लर<br>धनबाद, झारखंड |
| **श्री चेतन प्रकाश गोयनका**<br>मे. न्यु चेता ऑरनामेंट्स<br>धनबाद, झारखंड | **श्री संजय कुमार अगरवाला**<br>मे. मेहुल सेल्स, नया बाजार<br>धनबाद, झारखंड | **श्री प्रदीप कुमार अगरवाला**<br>मे. अभिनंदन, झीया<br>धनबाद, झारखंड | **श्री अमिताभ अगरवाला**<br>रांगाटेंड<br>धनबाद, झारखंड | **श्री संजय कुमार अग्रवाल**<br>मे. बालाजी इंटरप्राईजेज<br>झरीया, धनबाद, झारखंड |
| **श्री नारायण प्रसाद गंगेसरिया**<br>कर्नल स्कूल रोड, धेरूडीह<br>धनबाद, झारखंड | **श्री बंशीलाल तुलस्यान**<br>मे. राज उद्योग<br>धनबाद, झारखंड | **श्री संजय कुमार मोरे**<br>मे. अनुराधा, १६, राथौड़ मेन्शन, धनबाद, झारखंड | **श्री श्यामसुन्दर डोकानियाँ**<br>डोकानियाँ भवन, कटरास रोड, धनबाद, झारखंड | **श्री अनुप कुमार झुनझुनवाला**<br>मे. पालीराम झुनझुनवाला<br>सुतापट्टी, देवघर, झारखंड |

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री सुरेश कुमार भालोटिया**<br>मे. संदीप खाद्य भण्डार<br>लक्ष्मी बाजार, देवघर,<br>झारखंटड | **श्री बिमल कुमार सराफ**<br>मे. अग्रवाल ब्रदर्स, अपर<br>बाजार, रांची, झारखंड | **श्रीमती कविता सराफ**<br>मे. अग्रवाल ब्रदर्स, अपर<br>बाजार, रांची, झारखंड | **श्री नितीन कुमार सराफ**<br>मे. अग्रवाल ब्रदर्स, अपर<br>बाजार, रांची, झारखंड | **श्रीमती पुष्पा देवी सराफ**<br>मे. अग्रवाल ब्रदर्स, अपर<br>बाजार, रांची, झारखंड |
| **श्री प्रदीप कुमार सोडानी**<br>मे. ट्रेवल्स एण्ड ट्रेवल्स<br>रांची, झारखंड | **श्री महेश कुमार बुकानियाँ**<br>द्वारा- पवन उद्योग लि.<br>धनबाद, झारखंड | **श्री संतोष कुमार अग्रवाल**<br>मे. शंकर फूड प्रोटक्टस<br>धनबाद, झारखंड | **श्री अनुप कुमार मित्तल**<br>नवरंग राम भगत<br>धनबाद, झारखंड | **श्री पवन कुमार तुलस्यान**<br>मे. पवन वस्त्रालया<br>धनबाद, झारखंड |
| **श्री आनंद मोहन मित्तल**<br>हंडीया पट्टी<br>धनबाद, झारखंड | **श्री हरि शंकर अग्रवाल**<br>द्वारा- मदनलाल ज्वेलर्स<br>धनबाद, झारखंड | **श्री निर्मल कुमार ड्रोलिया**<br>मे. भारती<br>बोकारो, झारखंड | **श्री राजेन्द्र प्रसाद गोयनका**<br>प्लॉट नं.-सी-१,२०बी, सिटी<br>सेन्टर, बोकारो, झारखंड | **श्री सुनिल कुमार सरिया**<br>अग्रवाल मेन्शन<br>धनबाद, झारखंड |
| **श्री नवीन कुमार गुप्ता**<br>मे. केशव जनरल स्टोर<br>धनबाद, झारखंड | **श्री बजरंग कुमार मित्तल**<br>ठाकुर बाड़ी रोड, कुसुंदा<br>धनबाद, झारखंड | **श्री कृष्णा कुमार कदमिया**<br>द्वारा- ओंकारमल अग्रवाल<br>मीरपूर, धनबाद, झारखंड | **श्री विनय कुमार बगड़ीया**<br>५०५, खानुजा इंक्लेव<br>धनबाद, झारखंड | **श्री संतोष कुमार जालान**<br>मे. तरूण डिस्ट्रीब्युटर्स<br>धनबाद, झारखंड |
| **श्री सुभाष अग्रवाल**<br>जगमग लाईट, चास,<br>बोकारो, झारखंड | **श्री राजेश अग्रवाल**<br>मे. सति टेक्सटाईल<br>बोकारो, झारखंड | **श्री सजन कुमार अग्रवाल**<br>मे. जीवन इंटरप्राइजेज<br>चास, बोकारो, झारखंड | **श्री दिनेश कुमार अग्रवाल**<br>द्वारा- दीपक इंटरप्राईजेज<br>चास, बोकारो, झारखंड | **श्री टिंकु मोरे**<br>मे. बबीता स्टोर<br>धनबाद, झारखंड |
| **श्री पुनीत तुलस्यान**<br>लाल बगान, गोविन्दपूर<br>धनबाद, झारखंड | **श्री बजरंगलाल अग्रवाल**<br>मे. राहुल ज्वेलर्स<br>धनबाद, झारखंड | **श्री मनीष मोदी**<br>मे. गुड्डा गुड्डी रेडिमेड<br>गारमेंट्स, धनबाद, झाारखंड | **श्री रूप किशोर अग्रवाल**<br>गंगा अपार्टमेंट<br>धनबाद, झारखंड | **श्री अनुराग कुमार अग्रवाल**<br>मे. सिल्वर हाउस<br>धनबाद, झारखंड |
| **श्री विवेक अग्रवाल**<br>मे. होस्ट रेस्टुरेंट<br>धनबाद, झारखंड | **श्री महाबीर प्रसाद नांगेलिया**<br>नांगेलिया मेंशन<br>जमशेदपूर, झारखंड | **श्री दीपक मुरारका**<br>मे. कम्प्युटर इंम्पायर<br>रांची, झारखंड | **श्री देवी दत्ता बंका**<br>मे. बंका ट्रेवल्स<br>रांची, झारखंड | **श्री मुकेश कुमार भरतिया**<br>मे. पिंक सिटी मार्बल्स<br>रांची, झारखंड |
| **डॉ. निरज कुमार अग्रवाल**<br>मे. संतलाल दयाराम<br>झरीया, झारखंड | **श्री विनीत तुलस्यान**<br>मान सरोवर<br>धनबाद, झारखंड | **श्री संतोष कुमार शर्मा**<br>द्वारा- उर्मिला निवास<br>बेगूसराय, बिहार | **श्री नारायण हिसरियाँ**<br>मे. डी.डी. पेरिफेरल्स<br>बेगूसराय, बिहार | **श्री मनीष कुमार बुचासिया**<br>मे.सोलूशन,प्रथम तल, श्री राम<br>टावर, भागलपुर, बिहार |
| **श्री बिमल कुमार अग्रवाल**<br>द्वारा - सोलुशन, प्रथम तल<br>श्रीराम टावर, भागलपूर<br>बिहार | **श्री सुशील कुमार कोटरीवाल**<br>मे. एल.आर. इंटरप्राईजेज<br>भागलपूर, बिहार | **श्री पंकज कुमार मित्तल**<br>मे. जय करौली माता एजेन्सी<br>मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री श्याम लाल पोद्दार**<br>मे. बजरंग क्लॉथ एजेन्सी<br>मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री मूलचंद शर्मा**<br>ओझा मार्केट<br>मुजफ्फरपूर, बिहार |
| **श्री भरत अग्रवाल**<br>मे. श्री श्याम इण्डस्ट्रीज<br>मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री आलोक अग्रवाल**<br>मे. आलोक मशीनरी<br>पटना, बिहार | **श्री पंडीत धीरज शर्मा**<br>गरीबनाथ मंदीर<br>मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री उमेश अग्रवाल**<br>मु. मीसाराम, टी.ई.,<br>रंगामाटी, गोलाघाट, असम | **श्री रामचन्द्र शर्मा**<br>मु. पो. रंगामाटी<br>डेरगॉव, गोलाघाट, असम |
| **श्री लालचंद अग्रवाल**<br>मु. पो. रंगामाटी<br>डेरगाँव, गोलाघाट, असम | **श्री राजकुमार अग्रवाल**<br>मु. पो. रंगामाटी<br>डेरगाँव, गोलाघाट, असम | **श्री अशोक अग्रवाल**<br>बंगाँव, ए.टी. रोड<br>गोलाघाट, असम | **श्री ललीत पारीक**<br>मु. पी. रंगामाटी<br>गोलाघाट, असम | **श्री राजेश अग्रवाल**<br>मु. बादुलीपर स्टेशन<br>गोलाघाट, असम |
| **श्री रामोतार सिंगी**<br>मु. पो. रंगामाटी<br>डेरगाँव, गोलाघाट, असम | **श्री संजय अग्रवाल (गुटु)**<br>मु. पो. रंगामाटी<br>डेरगाँव, गोलाघाट, असम | **श्री मुकेश अग्रवाल**<br>में स्कूल पुस्तक भण्डार<br>गोलाघाट, असम | **श्री कैलाश अग्रवाल**<br>मु. पो. बादुलीपर<br>गोलाघाट, असम | **श्री दीपक अग्रवाल**<br>मु. पो. बादुलीपर<br>गोलाघाट, असम |
| **श्री सुरेश अग्रवाल**<br>मु. पो. बादुलीपर<br>गोलाघाट, असम | **श्री विनोद अग्रवाल**<br>मु. पो. बादुलीपर<br>गोलाघाट, असम | **श्री आशाराम काबरा**<br>मु. पो. रंगामाटी<br>गोलाघाट, असम | **श्री सचिन जालान**<br>मु. बंगॉव बाजार<br>गोलाघाट, असम | **श्री सुरेश अग्रवाल**<br>मु. बादुलीपर कॉलेज रोड<br>गोलाघाट, असम |

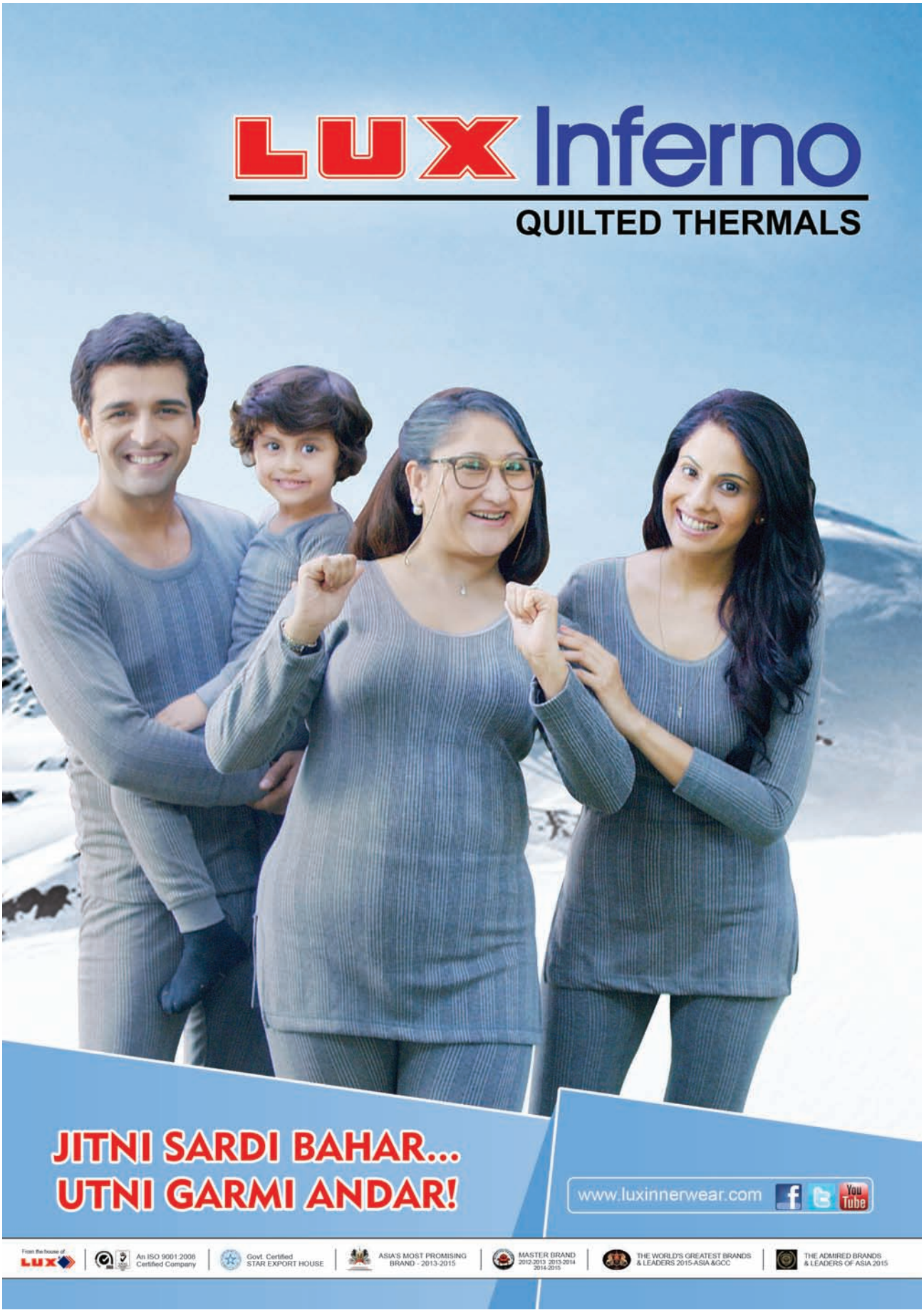
LUX Inferno
QUILTED THERMALS
JITNI SARDI BAHAR...
UTNI GARMI ANDAR!
www.luxinnerwear.com
From the house of LUX
An ISO 9001:2008 Certified Company
Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE
ASIA'S MOST PROMISING BRAND - 2013-2015
MASTER BRAND 2012-2013 2013-2014 2014-2015
THE WORLD'S GREATEST BRANDS & LEADERS 2015-ASIA &GCC
THE ADMIRED BRANDS & LEADERS OF ASIA 2015

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS
Date of Publication - 24th November 2017
RNI Regd. No. 2866/68

RUPA

THERMOCOT

IT'S VERY VERY HOT

India's Most Popular Thermal Wear
for Men, Women & Kids

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com